दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। शुक्रवार 13 दिसंबर-2024 | ● वर्ष : 9 अंक : 350 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

'वन नेशन-वन इलेक्शन' बिल को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। एक देश, एक चुनाव के विधेयक को गुरुवार को मोदी सरकार ने कैबिनेट बैठक में मंजूरी दे दी है। सूत्रों का कहना है कि अब सरकार इस बिल को सदन के पटल पर रख सकती है। ये विधेयक अगले सप्ताह इसी शीतकालीन सत्र में लाए जाने की संभावना है।

सबसे पहले जेपीसी की कमेटी का गठन किया जाएगा और सभी दलों के सुझाव लिए जाएंगे। अंत में यह विधेयक संसद में बिल लाया जाएगा और इसे पास करवाया जाएगा। इससे पहले रामनाथ कोविंद की कमेटी ने सरकार को एक देश, एक चुनाव से जुड़ी अपनी रिपोर्ट सौंपी थी।

राजनीतिक दलों से चर्चा करेगी जेपीसी : सूत्रों का कहना है कि लंबी चर्चा और आम सहमति बनाने के लिए सरकार इस विधेयक को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने की योजना बना रही है। जेपीसी सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा करेगी और इस प्रस्ताव पर सामूहिक सहमति की जरूरत पर जोर देगी।

देश में अभी अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग समय पर चुनाव होते हैं। यह विधेयक कानून बनने के बाद देश में एक साथ चुनाव कराए जाने की तैयारी है। हालांकि, इस सरकार के इस कदम का कांग्रेस और अअढ जैसी कई इंडिया ब्लॉक की पार्टियों ने विरोध किया है।

क्यों सड़क सुरक्षा अभियान हो रहा है फेल, हर तीसरे दिन जा रही है जान

15 दिन में पांच की हुई मौत और चार हुए गंभीर रूप से घायल

- बीते दो दिन में गई चार लोगों की जिंदगी

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर फुट ओवर ब्रिज बनाने के लिए विधायक संजीव शर्मा ने लिखा परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र

- कमिश्नरेट की सड़कें हो रही हैं खून से लाल

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत सड़कें खून से लाल हो रही हैं। कभी दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार और लापरवाही जिंदगी पर भारी पड़ रही है। तो कभी अधिक स्पीड लोगों की जिंदगी को खत्म करने का काम कर रही है। बीते 15 दिनों की बात की जाए तो यहां पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत पांच लोगों की अलग-अलग सड़क हादसों में मौत हुई है। तो चार लोग भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। बुधवार को ही सड़क दुर्घटना में दंपति समय तीन लोगों की मौत हुई थी। तो एक महिला जख्मी हो गई थी।

यह हादसा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हुआ था। इस मामले का संज्ञान लेते हुए शहर विधायक संजीव शर्मा ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है और

यहां फुट ओवर ब्रिज निर्माण किए जाने की मांग उठाई गई है। साथ ही एक प्रतिलिपि सांसद अतुल गर्ग को भी भेजी गई है। तो वहीं गुरुवार को कवि नगर थानाक्षेत्र में कवि नगर थाने से 50 मीटर की दूरी पर स्कूटी सवार नाबालिक लड़की की मृत्यु हो गई। एक महिला अपनी 12 वर्षीय पुत्री काश्वी भारद्वाज निवासी मोदीनगर के साथ जा रही थी। इसी दौरान ट्रक चालक द्वारा ट्रक को लापरवाही से चलते हुए स्कूटी में टक्कर लगी और मौके पर ही नाबालिक लड़की की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में ले लिया है और आरोपी को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

नहीं दिख रहा अभियानों का असर

करंट क्राइम : अक्टूबर और नवंबर माह में सड़क सुरक्षा सप्ताह भी चलाया गया। तो वहीं सड़क सुरक्षा अभियान को सफल बनाने के लिए कई तरीके की मीटिंग हुई। ट्रैफिककर्मियों की संख्या पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में बढ़ गई है। साथ ही ओवर स्पीडिंग पर पुलिस चालान करती है। तो रॉन्ग साइड आने वाले वाहनों पर भी अंकुश लगाने का काम होता है। इसके बावजूद पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद की सड़कों पर सड़क हादसों में कमी नहीं आ पा रही है जबकि कई स्थानों पर अवैध कट बंद करने से लेकर कई मार्ग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए बनाए गए हैं।

स्कूटी सवार नाबालिग लड़की को ट्रक ने कुचला

करंट क्राइम : कवि नगर थानाक्षेत्र में हापुड़ चुंगी शास्त्री नगर चौराहे के निकट गुरुवार को तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी पर जा रही मां-बेटी को टक्कर मार दी। इसमें मां गंभीर रूप से घायल हुई, तो उसकी 12 वर्षीय बेटी काश्वी भारद्वाज को अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि पीछे से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने स्कूटी में टक्कर मारी, जिससे वह अनियंत्रित हो गई और पीछे बैठी नाबालिक लड़की ट्रक की चपेट में आने से मौत का शिकार हो गई।

स्थानीय लोगों से लेकर विधायक संजीव शर्मा ने लिखा नितिन गडकरी को पत्र

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अंतर्गत सड़क हादसे हो रहे हैं। सड़क हादसों में लोगों की जान जा रही है और लोग दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार और किसी प्रकार का फुट ओवर ब्रिज नहीं होना पैदल चलने वालों के लिए हादसे की वजह बता रहे हैं। इस संबंध में न्यू कृष्णा नगर बागू रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा और यहां फुट ओवर ब्रिज की मांग की है। तो गाजियाबाद के शहर विधायक संजीव शर्मा ने भी बुधवार को तीन लोगों की मृत्यु होने के मामले को प्रमुखता से उठाया है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा है। साथ ही विधायक संजीव शर्मा ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से यहां फुट ओवर ब्रिज बनाए जाने की मांग की है और इसकी प्रतिलिपि सांसद अतुल गर्ग को भी भेजी है।

कहीं स्पीड ,तो कहीं लापरवाही बन रही है हादसों की वजह

करंट क्राइम : नवंबर माह में सड़क सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया था। इसमें जिलाधिकारी ने नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया और अन्य एजेंसियों को लापरवाही बरतने के लिए फटकार लगाई थी। तो पत्र भी जारी किया गया था, इसके साथ ही कई नए ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए थे। तो यातायात पुलिस को यहां विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद दिल्ली- मेरठ एक्सप्रेस-वे पर हादसे हो रहे हैं। तो वहीं हवा हवाई रेस्टोरेंट के पास भी बीते 6 महीनों के दौरान दर्जनों हादसे और कई लोगों की जिंदगी खत्म हुई है। पुलिस-प्रशासन लगातार हादसों में कमी लाने का प्रयास कर रहा है लेकिन सर्दी बढ़ने के बाद फिर एक बार हादसों में इजाफा होना शुरू हो गया है।

बीते दिनों यहां हुए सड़क हादसे

- 08 दिसंबर ट्रैक्टर-ट्राली पलटी, जिसमें चार बच्चे दबे, दो घायल हुए। यह लोनी बॉर्डर क्षेत्र का मामला है।
- 09 दिसंबर क्रॉसिंग सड़क हादसे में महिला की मौत, बेटी व धेवता घायल।
- 10 दिसंबर मोदीनगर कार-स्कूटी की टक्कर में एक की मौत।
- 11 दिसंबर सड़क पार करते हुए तीन लोगों की बस की टक्कर लगने से मौत। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र की घटना, स्थान दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे।
- 12 दिसंबर कवि नगर थानाक्षेत्र में शास्त्री नगर चौराहे के पास स्कूटी और ट्रक की टक्कर से 12 वर्षीय नाबालिक लड़की की मौत।

इन बातों पर भी दें ध्यान :

सीटबेल्ट पहनें:
- कार चलाते समय हमेशा अपनी सीटबेल्ट पहनें, क्योंकि यह दुर्घटना की स्थिति में गंभीर चोट या मृत्यु के जोखिम को कम कर सकता है।

यातायात नियमों का पालन करें:
- यातायात संकेतों, रुकने के संकेतों, गति सीमा और सड़क के अन्य नियमों का पालन करें। इसके अलावा, नशे में गाड़ी चलाने से बचें और कभी भी ड्रग्स या शराब के नशे में गाड़ी न चलाएं।

ध्यान भटकाने से बचें:
- वाहन चलाते समय अपने फोन का उपयोग करने या अन्य ध्यान भंग करने वाली गतिविधियों में शामिल होने से बचें। इसमें टेक्स्टिंग, फोन पर बात करना, खाना, पीना या तैयार होना शामिल है।

अपने वाहन का रख-रखाव ठीक रखें:
- अपने वाहन का नियमित रखरखाव करें, जिसमें ब्रेक, टायर, लाइट और अन्य महत्वपूर्ण प्रणालियों की जांच करना शामिल है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे ठीक से काम कर रहे हैं।

अपने आस-पास के बारे में जागरूक रहें:
- अन्य ड्राइवरों और पैदल चलने वालों पर नजर रखें, और सड़क की बदलती स्थितियों जैसे निर्माण या मौसम के खतरों से अवगत रहें।

लॉन्ग ड्राइव के दौरान ब्रेक लें :
- अगर आप लॉन्ग ड्राइव पर हैं, तो आराम करने और खुद को रिफ्रेश करने के लिए बीच-बीच में ब्रेक लें। यह आपको वाहन चलाते समय सतर्क और केंद्रित रहने में मदद करेगा।

सर्दियों में भी चलाया जाएगा सड़क हादसों में कमी लाने के लिए अभियान

करंट क्राइम : एडीसीपी ट्रैफिक पीयूष कुमार सिंह का कहना है कि बीते दिनों यातायात माह चलाया गया था। तो वही सर्दी के दिनों में कोहरा बढ़ जाता है, घने कोहरे के दौरान स्पीड व लापरवाही में हादसे होते हैं। इसके लिए जागरूकता कार्यक्रम और सड़क हादसों में कमी लाने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे ताकि लोगों के जीवन को बचाया जा सके। वहीं सड़क हादसों में लाने का प्रयास भी होगा।

किस विधायक ने कह दी भगवा गुरुजी के आगे मन की बात

कुछ भी हो जाए अगली बार लड़ना है मुझे एमपी वाला चुनाव

गाजियाबाद करंट क्राइम। भगवा गढ़ यानी गाजियाबाद लोकसभा में अब सियासी हसरतों को लेकर सब अपनी-अपनी बात रख रहे हैं। इस लोकसभा में एक दौर था जब दावेदारी करना तो दूर सोचना भी गलत माना जाता था। अगर किसी से दावेदारी की बात भी कर लो तो वो इस बात की कसमें खाने लगते थे कि मैं तो सोच भी नहीं सकता, मैंने तो कभी ऐसा सोचा भी नहीं और उनके सामने जीवन में नहीं लड़ेंगे आदि-आदि। फिर कहानी में एक बड़ा मोड़ आया और विधानसभा के विधायक को पार्टी ने लोकसभा का टिकट दिया और जनता ने पीएम-सीएम के नाम पर उन्हे वोट देकर लोकसभा पहुंचा दिया। बड़ा फेरबदल ये हुआ कि जो महानगर अध्यक्ष थे वो विधायक बन गए, जो विधायक थे वो सांसद बन गए। अब ये सियासी हसरतें तो सभी के मन में पैदा होती है, लेकिन जिस पड़ाव में अभी पूरे पांच साल है उसे लेकर एक विधायक अभी से क्यों प्लान बना रहे हैं।

अगर वो विधायक से सांसद बने हैं तो फिर ये वाले विधायक भी सांसद बनना चाहते हैं। कहते हैं कि बात हलक से निकलती है तो खलक में चली जाती है। लिहाजा भगवा गढ़ के विधायक ने जब अपने मन की बात बताई तो ये बात ओरों के कानों ने भी सुन ली। सूत्र बताते हैं कि भगवा गढ़ के पॉलिटिकल गुरुजी इन दिनों एक्टिव मोड में हैं। उन्होंने राजनीति में एक बड़ा युग देखा है, बड़े चेहरों के साथ काम किया है और जब सन्यास वाले राजनीति के चरम पर हैं तब गुरूजी राजनीति के सन्यास वाली अवस्था में हैं। हालांकि गुरुजी उम्मीदों से भरपूर हैं और वो लगातार प्रयास भी करते हैं और कार्यक्रम में भी एक्टिव रहते हैं। गुरुजी के पुराने शिष्य विधायक हैं और शिष्य के बारें में भी ये कहा जाता है कि गुरु अगर गुड़ है तो चेले चीनी हो गए हैं। गुरुजी के शिष्य विधायक ने राजनीति का एक पूरा तजुर्बा लिया है। सियासी सितारे उन्हें शुभ फल दे रहे हैं। कहावत है कि सियास में हसरतें हमेशा बलवान होती हैं। ऐसे में भाजपा गढ़ के ये विधायक सांसद बनना चाहते हैं। उन्होंने अपने मन की बात गुरुजी से कही और ये भी कहा कि मुझे अगली बार लोकसभा का चुनाव लड़ना है, मुझे एमपी का चुनाव लड़ना है। अभी पूरे पांच साल बाकी है, लेकिन विधायक ने अपने मन के ताप का इजहार किया है।

गाजियाबाद की लोकसभा में हर विधानसभा हो गई वैश्य चेहरे से खाली अब उठने लगी है ये आवाज वैश्य चेहरों को मिले संगठन की कमान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। राजनीति में समीकरण साधे जाते हैं और विकास की बातें मंच से होती है। संगठन हो या सरकार हो जातीय संतुलन हर दल को साधना पड़ता है और भाजपा भी इससे अलग नहीं है। भाजपा में संगठन, सरकार सभी में जातीय संतुलन साधा जाता है। बात अगर भगवा गढ़ यानी गाजियाबाद की करें तो यहां भी संगठन में जातीय संतुलन साधा जाता है। जनप्रतिनिधियों में संतुलन साधा जाता है और बैलेंस बनाकर पार्टी चलाई जाती है। अगर शहर सीट की बात करें तो यहां भाजपा जिसे वैश्य सीट मानती है उस सीट पर भाजपा ने लगातार तीन बार वैश्य चेहरे के रूप में अतुल गर्ग को टिकट दिया। पहला चुनाव अतुल गर्ग हार गए और बाद के दोनों चुनाव अतुल जीते। वो वैश्य कोटे में सरकार में दो बार मंत्री बनें और अब जब वो लोकसभा सांसद हो गए हैं तो एक लॉबी उन्हें वैश्य कोटे में सांसद मान रही है और शहर सीट को ब्राह्मण सीट मान रही है, लेकिन एक दूसरी वैश्य लॉबी इसे दूसरे नजरिये से देख रही है।

वो लोकसभा में विधानसभा देख रही है और वो ये बता रहे हैं कि गाजियाबाद लोकसभा क्षेत्र की हर विधानसभा सीट वैश्य चेहरे से खाली हो गई है। वो बता रहे हैं कि लोनी में नंदकिशोर गुर्जर विधायक हैं, साहिबाबाद में सुनील शर्मा विधायक भी हैं और कैबिनेट मंत्री भी हैं, मुरादनगर में अजीतपाल त्यागी हैं, धौलाना में धर्मेश तोमर हैं और शहर से संजीव शर्मा विधायक हैं। गाजियाबाद लोकसभा की किसी भी विधानसभा में अब वैश्य दावेदारी नहीं है। ऐसे में ये लॉबी अपना कोटा मांग रही है। वो विधानसभाएं गिना रहे हैं और लोकसभा की विधानसभा बताते बताते वो जिले में शामिल लेकिन लोकसभा से बाहर मोदीनगर को भी जोड़ रहे हैं और बता रहें कि वहां भी लगातार दूसरी बार जाट बिरादरी के विधायक हैं। ये लॉबी इस बात को उठा रही है कि अगर वैश्य बिरादरी किसी भी विधानसभा सीट में नहीं है तो फिर वो कहां है।

विधानसभा नहीं तो संगठन में मिले जिम्मेदारी, नामों पर चर्चा जारी

अब भाजपा की वैश्य लॉबी अपनी भागीदारी की बात कर रही है। वो इतिहास बता रहे हैं और वो अब संगठन में भागीदारी चाहते हैं। वहीं सूत्र बताते हैं कि संगठन ने इस बार प्रबल चर्चा दो फैक्टर पर है। इनमें ओबीसी फैक्टर पर भी बात चल रही है और वैश्य फैक्टर पर भी बात चल रही है। विधानसभा के दावेदारों को उनके अनुभव, सक्रियता और समर्पण के आधार पर भी महानगर की कमान दी जा सकती है। जिन चेहरों की बात चल रही है उनमें मयंक गोयल का नाम प्रबलता से चल रहा है।

मयंक गोयल मूल भाजपाई हैं। संघ पृष्ठभूमि से आते हैं और सबसे खास बात ये है कि ये भाजपा के हर आयाम में भाजपा के हर काम में आगे रहते हैं।

शिक्षित और प्रभावशाली परिवार से संबंध रखते हैं। संवादशैली बेहतर है और संगठन में महानगर से लेकर क्षेत्रीय टीम में काम करने का अनुभाव है। वो लगातार दो बार से विधानसभा की दावेदारी में भी हैं। वहीं अगर वैश्य चेहरे की बात करें तो यहां अनिल अग्रवाल सावरियां का नाम भी भगवा गलियारों में है। अनिल अग्रवाल सांवरियां भी भाजपा के पुराने कार्यकर्ता हैं। व्यापार प्रकोष्ठ के पदाधिकारी हैं। व्यापार मंडल में अन्य धार्मिक संस्थाओं से जुड़े हैं। अनिल अग्रवाल एक्टिव राजनीति करते हैं और संघ परिवार से

तालुक रखते हैं। दावेदारों की बात करें तो समरकूल चेयरमैन संजीव गुप्ता महानगर अध्यक्ष पद की दावेदारी में हैं। हालांकि वो अपनी दावेदारी को लेकर

कूल हैं, लेकिन अगर पार्टी उन्हें दायित्व देगी तो वो पूरी जिम्मेदारी से उसे निभाएंगे। भाजपा के पुराने कार्यकर्ता हैं। लगातार वो पार्टी के महानगर कोषाध्यक्ष हैं। भाजपा के कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी रहती है और हमेशा कार्यकर्ता भाव के साथ वो काम करते हैं। भाजपा अध्यक्ष की दावेदारी में पवन गोयल के नाम को इग्नोर नहीं किया जा सकता। पवन गोयल ने कोरोना काल में लाइनपार क्षेत्र में काफी काम किया है। वो भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता हैं। जीडीए बोर्ड सदस्य हैं और वो भी विधानसभा की दावेदारी में हैं। बताते हैं कि उनका नाम भी मजबूती से चल रहा है। वैश्य चेहरों की बात करें तो यहां गोपाल अग्रवाल का नाम सुर्खियों में है। गोपाल अग्रवाल भाजपा महानगर महामंत्री हैं। कार्यकर्ताओं के साथ बेहतर संवादशैली है और विवादों से दूर रहते हैं। मेहनती और कर्मठ कार्यकर्ताओं में नाम आता है। ये चेहरा महानगर अध्यक्ष पद पर वैश्य कोटे में मजबूत दावेदारी के साथ है। वैश्य चेहरों की बात करें तो यहां पुराने और समर्पित कार्यकर्ताओं में वेद्रप्रकाश गर्ग खादी वालों का नाम आता है। वो महानगर टीम में उपाध्यक्ष रहे हैं और हर चुनाव में वो भाजपा का झंडा बुलंद करते हैं।

कार्यकर्ताभाव के साथ काम करते हैं। मेयर पद की दावेदारी में बेहद मजबूती से उनका नाम चला था। सभी को साथ लेकर चलते हैं और अपने साथ गहन अनुभव लिये हुए हैं। महानगर अध्यक्ष पद की रेस में वो भी हर मानक को पूरा करते हैं।

आप का लाड़ली दांव, दिल्ली में महिला सम्मान योजना को मंजूरी, हर माह मिलेंगे 2100

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले वित्त विभाग ने इस योजना पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कैबिनेट ने 1000 रुपये मंजूर किए हैं, सरकार बनने पर इसे 2100 रुपये कर दिया जाएगा। महिला सम्मान योजना को दिल्ली कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। इस योजना के तहत महिलाओं को 1000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाएगी। हालांकि दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने इसे बढ़ाकर 2100 रुपये करने का एलान भी किया है। आज सुबह हुई दिल्ली सरकार की कैबिनेट बैठक में महिला सम्मान योजना को मंजूरी दे दी गई है। इससे पहले वित्त विभाग ने इस योजना पर आपत्ति जताई थी। अरविंद केजरीवाल ने इसे आप की सातवीं रेवड़ी बताया था। इस योजना की घोषणा करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, दिल्ली सरकार ने अपना वादा पूरा किया है। दिल्ली में महिला सम्मान योजना लागू कर दी गई

है। महिलाओं के खाते में 1000 रुपये डाले जाएंगे। 2025 में सरकार बनने पर इसे 2100 रुपये कर दिया जाएगा। रजिस्ट्रेशन के बाद पैसा आना शुरू हो जाएगा। ये सम्मान महिलाओं का अधिकार है। केजरीवाल जो ठान लेता है वो करके रहता है। जो बोला वो करके दिखाया माताओं-बहनों को उनका हक मिलेगा।

किसे मिलेगा योजना का लाभ

18 साल से ऊपर की हर महिला को प्रति महीना 1000 की राशि मिलेगी।
योजना के लिए योग्य वे महिला होंगी जो अभी सरकार की किसी पेंशन स्कीम का हिस्सा नहीं हैं।
सरकारी कर्मचारी नहीं है। इनकम टैक्स नहीं देती है।
स्कीम के लिए पात्र महिला को एक फॉर्म भरना होगा और सेल्फ डिक्लेरेशन देना होगा कि वह किसी सरकारी योजना का हिस्सा नहीं है, सरकारी कर्मचारी नहीं है और इनकम टैक्स पेयर नहीं है।
फॉर्म के साथ हर महिला को आधार कार्ड और बैंक अकाउंट की जानकारी देनी होगी।

केजरीवाल ने कहा कि मैंने वादा किया था कि हर महिला को 1,000 रुपये दूंगा। आज सुबह आतिशी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया। अब यह योजना दिल्ली में लागू हो गई है। 10-15 दिन में चुनावों की घोषणा हो जाएगी, इसलिए अभी खाते में पैसे ट्रांसफर करना संभव नहीं है। कुछ महिलाओं ने कहा कि महंगाई के चलते 1000 रुपये काफी नहीं होंगे। इसलिए कल से 2100 रुपये प्रति माह के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा।

इस योजना के तहत 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं को इसका लाभ मिलेगा। इसके लिए चालू वित्त वर्ष में 2000 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान भी किया गया था। इसके तहत आधी आबादी सशक्त होगी। आम आदमी पार्टी ने भरोसा जताया कि दिल्ली की महिला सुरक्षा और सम्मान के प्रयासों से भगवान राम का आशीर्वाद सभी दिल्लीवालों को मिलेगा। सरकार का मानना है कि इससे किताबों की जरूरत तो पूरी होगी ही, अगर वे पढ़ाई के लिए कोचिंग करना चाहती हैं तो इससे उन्हें राहत मिलेगी। इतना ही नहीं व्यक्तिगत खर्च के लिए भी उन्हें किसी के सामने हाथ फैलाने की आवश्यकता नहीं होगी।

केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कहानी को घर-घर तक पहुंचाएंगे', दिल्ली फतह के लिए बीजेपी ने बनाया ये प्लान

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से दिल्ली की स्थानीय समस्याओं के साथ केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कहानी को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। प्रदेश भाजपा ने नुक्कड़ सभाओं के जरिये वोटरों को पक्ष में करने की तैयारी की है। पार्टी ने पूरी दिल्ली में 3800 शक्ति केंद्रों पर नुक्कड़ सभाएं करने का ऐलान किया है। बुधवार को 256 मंडलों के प्रमुख शक्ति केंद्रों से इसकी शुरूआत हुई। इस मुहिम में भाजपा सांसद, विधायक व प्रदेश प्रभारी शामिल हुए। इस दौरान प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि नुक्कड़ सभाओं के माध्यम से दिल्ली की स्थानीय समस्याओं के साथ केजरीवाल के भ्रष्टाचार की कहानी को घर-घर तक पहुंचाया जाएगा। बुराड़ी विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि न सिर्फ यहां जलभराव की समस्या है, बल्कि इस कारण छात्रों को दम तोड़ते हुए भी देखा है। इस बार बुराड़ी की जनता

केजरीवाल ने दिल्ली को दिया धोखा : अनुराग

प्रदेश भाजपा ने शक्ति केंद्र प्रमुखों को सम्मानित करने के लिए उनके निवास स्थल पर नाम पट्टिका लगा रही है। बुधवार को 400 के करीब शक्ति केंद्र प्रमुखों के घर इस अभियान के तहत उन्हें सम्मानित किया गया। केंद्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरोज पांडेय, प्रदेश सह प्रभारी डॉ. अलका गुर्जर समेत कई नेता इस अभियान में जुड़े। उत्तर पूर्वी जिले में दिल्ली प्रदेश प्रवक्ता अनिल गुप्ता के आवास पर ध्वज लगाकर अभियान की शुरूआत करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दिल्ली सरकार और कांग्रेस पर हमला बोला।

परिवर्तन के मूड में है। दिल्ली में डबल इंजन की सरकार लाने की तैयारी कर रही है। नवादा में आयोजित नुक्कड़ सभा में सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि 10 सालों से दिल्ली के किसानों को किसान का दर्जा तक नहीं मिला। इनके नाम पर झूठी बयानबाजी और वादे करने का काम किया गया है। हौजखास मंडल में आयोजित सभा में सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि दिल्ली सरकार की नाकामी का कड़वा सच हर गली और चौराहे पर दिख रहा है।

पीएम मोदी 13 दिसंबर को प्रयागराज दौरे पर जाएंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। वह प्रयागराज जाएंगे और दोपहर करीब 12:15 बजे संगम नोज पर पूजा और दर्शन करेंगे। पीएम दोपहर करीब 12:40 बजे अक्षय वट वृक्ष की पूजा करेंगे। पूजा के बाद पीएम मोदी हनुमान मंदिर और सरस्वती कूप में दर्शन और पूजा करेंगे। दोपहर करीब 1:30 बजे वह महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे वह प्रयागराज में 6,670 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी महाकुंभ 2025 के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसमें बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और प्रयागराज में निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सड़कें जैसी विभिन्न सड़क परियोजनाएं शामिल होंगी। वहीं, स्वच्छ और निर्मल गंगा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री मोदी गंगा नदी तक जाने वाले छोटे नालों के अवरोधन, टैपिंग, डायवर्जन और ट्रीटमेंट प्लांट का भी उद्घाटन करेंगे, जो नदी में अनुपचारित पानी के शून्य निर्वहन

को सुनिश्चित करेगा। वह पेयजल और बिजली से संबंधित विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी प्रमुख मंदिर गलियारों का उद्घाटन करेंगे जिसमें भारद्वाज आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा शामिल है। ये परियोजनाएं भक्तों तक पहुंच में आसानी सुनिश्चित करेंगी और आध्यात्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा देंगी। प्रधानमंत्री मोदी कुंभ सहायक चैटबॉट भी लॉन्च करेंगे जो महाकुंभ मेला 2025 पर भक्तों को अपडेट देने के संबंध में विस्तृत सूचना प्रदान करेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 अक्टूबर को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर गए थे।

महाकुंभ 2025 : 'हर घर जल गांव' बसाएगी योगी सरकार

40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में शुरू हुई तैयारी

लखनऊ। योगी सरकार महाकुंभ 2025 में 'हर घर जल गांव' बसाएगी। पेयजल का समाधान, मेरे गांव की पहचान थीम पर यह 'गांव' 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसेगा। इसमें एक तरफ जहां 'जल जीवन मिशन' बुंदेलखंड में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की कहानी सुनाई जाएगी, वहीं दूसरी तरफ महाकुंभ में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नए गांवों की सफलता की दास्तां से भी श्रद्धालु, पर्यटक व कल्पवासी परिचित होंगे। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुंभ में इसकी तैयारी कर रहा है। कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में योगी सरकार के प्रयास से पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। सफलता की इस कहानी को लेकर 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 5 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी। 51 दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच

मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बुंदेलखंड में बदलाव की कहानी बयां करेंगी। बांदा, झांसी, चित्रकूट के जिन गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी, वहां भी योगी सरकार ने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाया। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी डबल इंजन सरकार के अतुलनीय कार्य को महाकुंभ में शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को बयां करेंगी। ललितपुर से सटे मध्य प्रदेश के बॉर्डर के 'बाल विहट' गांव में एक ही कुआं था। इसमें सांप रहते थे, इसके बावजूद यहां के लोग कभी उसी कुएं का पानी पीते थे। मोदी-योगी सरकार ने इस गांव के लोगों को भी शुद्ध पेयजल पहुंचाया। यहां के ग्रामीण भी बदलाव की गाथा बयां करेंगे। महाकुंभ में देश के विभिन्न राज्यों व हिस्सों से श्रद्धालु, पर्यटक आएंगे। इसलिए प्रदर्शनी में हर जानकारी बहुआयामी भाषाओं में मिलेगी। यहां हिंदी, अंग्रेजी, बांग्ला, तेलगू और मराठी में लोग जल जीवन मिशन के माध्यम से बदले यूपी के बारे में अवगत हो सकेंगे। प्रदर्शनी में जल जीवन मिशन से विंध्य-बुंदेलखंड में आए बदलाव को लेकर सफलता की कहानी का भी संकलन पुस्तक के माध्यम से प्रदर्शित होगा। ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग की तरफ से महाकुंभ में 'जल मंदिर' भी बनाया जाएगा। 'जल मंदिर' में भगवान शिव की जटा से गंगा धरती पर आएंगी। इसके जरिए संदेश दिया जाएगा कि जल प्रसाद है।

अस्तित्व के संकट से जूझ रही रायबरेली की लाइफलाइन आईटीआई

बदहाली पर राहुल गांधी ने सदन में उठाए सवाल

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में जिले की लाइफ लाइन मानी जाने वाली आईटीआई अब अपने अस्तित्व के संकट से ही जूझ रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को लोकसभा में सवाल किया तो आईटीआई का सच सामने आ गया। केंद्रीय सूचना प्रसारण मंत्री ने सांसद के सवालों का जवाब दिया। सदन के भीतर से यह बात उभर कर सामने आई है कि हर साल हजारों करोड़ रुपए के

टर्नओवर वाली इंडियन टेलीफोन इंडस्ट्रीज की रायबरेली इकाई इस वित्त वर्ष में केवल 20 करोड़ रुपए का ही व्यापार कर पाई है। 51 साल पहले सार्वजनिक क्षेत्र में स्थापित हुई इस फैक्टरी में अब तीन प्रतिशत ही स्थाई कर्मचारी बचे हैं। फैक्टरी को केंद्र सरकार से न पर्याप्त आर्डर मिल रहे हैं और न रिवाइवल पैकेज ही मिल रहा है। आईटीआई की रायबरेली इकाई को वित्तीय सहायता के 300 करोड़ रुपए मिलने का आज भी इंतजार है। बताते हैं कि कभी इस फैक्टरी में 7000 स्थाई कर्मचारी हुआ करते थे। सांसद राहुल गांधी के पूछे गए सवाल के जवाब में केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने बताया कि आईटीआई की रायबरेली इकाई में वर्तमान में 322 कर्मचारी ही कार्यरत है। इसमें 173 स्थाई, 68 संविदा कर्मी और 83 अनौपचारिक कर्मचारी काम कर रहे हैं।

वेतन प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं?

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सरकार से लोकसभा में आईटीआई के कर्मचारियों को समय से वेतन प्रदान करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं? इस पर भी सवाल किया।

भैरव घाट श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े में आरंभ हुआ मां बगलामुखी महायज्ञ

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने अपने शिष्यों और जूना अखाड़े के संतों के साथ गुरुवार को हरिद्वार स्थित श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के भैरव घाट पर मां बगलामुखी महायज्ञ का शुभारंभ किया। यह मां बगलामुखी महायज्ञ 12 से 21 दिसंबर तक चलेगा। गुरुवार के महायज्ञ के उपरांत महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी ने मां बगलामुखी और महादेव की प्रार्थना की। उन्होंने महायज्ञ स्थल से सम्पूर्ण सनातन धर्मियों का आह्वान करते हुए महायज्ञ के लिए आमंत्रित किया।

महायज्ञ में मुख्य यजमान सहदेव भगत और विश्व धर्म संसद की मुख्य संयोजक डॉ. उदिता त्यागी के साथ ही श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के कोठारी श्रीमहंत महाकाल गिरी, यति रामस्वरूपानंद, यति सत्यदेवानंद, यति नित्यानंद, यति निर्भयानंद, यति रणसिंहानंद, यति परमात्मानंद, यति अभयानंद के साथ बड़ी संख्या में साधु-संत भी उपस्थित थे।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने भाजपा प्रत्याशी बिन्नूराम गौतम के पक्ष में जनता से मांगे वोट

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भोवपुर वार्ड 21 में भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर-घर जा कर पार्टी प्रत्याशी बिन्नूराम गौतम के लिये वोट व समर्थन की अपील की। गुरुवार को कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने लोगों के साथ बैठक बैठक की। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी बिन्नू राम गौतम ने केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का फूल माला से स्वागत किया। भोवपुर पाल चौक पर लोगों के साथ मीटिंग की। पार्टी कार्यकर्त्ताओ को सम्बोधित करते हुऐ केबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा की भाजपा की विचारधारा साफ है जिसमें राष्ट्र को प्रथम स्थान पर रख कर सर्व समावेशी समाज की परिकल्पना की जाती है। सबको समान नागरिक अधिकार की बात को प्रमुखता से जगह दी जाती है। जबकि भाजपा सरकार सबका साथ व सबका विकास के लिये जानी जाती है।

उन्होंने कहा कि बिन्नू राम गौतम को चुनाव और क्षेत्र का विकास करो 6 वर्षों से आपके क्षेत्र का पार्षद हमारे पास नहीं आया, और विकास कार्य के लिए भी नही बोला। इसीलिए मैं कह रहा हूं कि भाजपा का पार्षद चुनाव और क्षेत्र का विकास करो। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष सुधीर त्यागी ने कार्यालय का उद्घाटन किया और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिन्नू राम गौतम पुराने नेता हैं आप लोग क्षेत्र के विकास के लिए बिन्नू राम के पक्ष में वोट करें।

इस अवसर पर पूर्व पार्षद चौधरी अतर सिंह, युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा, रवि गौतम, भूषण त्यागी, संजय डेढ़ा, टुन्नू पाल, पप्पू पाल, दौलत रामपाल, हरीश, बिट्टू, रोहित, कामिनी भदोरिया आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने किया डिफेंस कॉलोनी में विकास कार्य का उद्घाटन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। साहिबाबाद विधानसभा विधायक व उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने वार्ड 29, डिफेंस कॉलोनी में कुटी खेमराज चंदेल के मकान से लेकर ओमपाल, सुभाष चन्द्रिका के मकान से लेकर

मुल्कराज चंदेला के मकान तक, अमर सिंह जाटव के मकान से लेकर मुकेश के मकान तक नाली एवं इंटरलॉकिंग टाइल्स कार्य का उद्घाटन किया। इन कार्यों की कुल लागत 18.82 लाख है। इस कार्य से क्षेत्रवासियों को स्वच्छ और बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस मौके पर सुनील शर्मा ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को एक नई दिशा मिली है। हमारा उद्देश्य साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र को सर्वश्रेष्ठ बुनियादी सुविधाओं के साथ एक आदर्श क्षेत्र बनाना है। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष कुलदीप कसाना, राजकुमार चंदेल, वीरेंद्र मिश्रा, जितेंद्र सेन, गुड्डू पांडे, ओमकार ठाकुर, लोकेश प्रजापति, विनीत भारद्वाज, चंचल प्रजापति, बबीता कसाना, सुनीता शर्मा, शशि सेन, सोनू प्रजापति आदि लोग मौजूद रहे।

सरकार का बड़ा फैसला 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। 'एक देश, एक चुनाव' पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। संसद के शीतकालीन सत्र के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' विधेयक को मंजूरी दे दी। अब केंद्र सरकार शीतकालीन सत्र में इसे सदन में पेश कर सकती है।

इससे पहले 'एक देश, एक चुनाव' पर बनी कोविंद समिति की रिपोर्ट को 18 सितंबर को केंद्रीय कैबिनेट से मंजूरी मिल गई थी। प्रधानमंत्री मोदी ने सबसे पहले 2019 में 73वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एक देश एक चुनाव के अपने विचार को आगे बढ़ाया था। उन्होंने कहा था कि देश के एकीकरण की प्रक्रिया हमेशा चलती रहनी चाहिए। 2024 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भी प्रधानमंत्री ने इस पर विचार रखा।

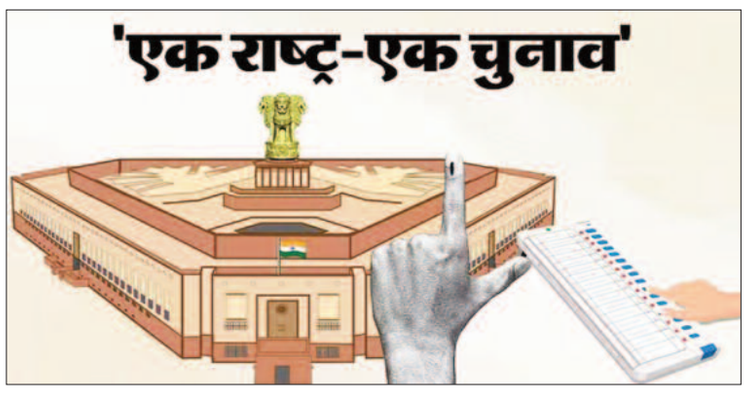

क्या है एक देश एक चुनाव की बहस?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2019 के स्वतंत्रता दिवस पर एक देश एक चुनाव का जिक्र किया था। तब से अब तक कई मौकों पर भाजपा की ओर एक देश एक चुनाव की बात की जाती रही है। ये विचार इस पर आधारित है कि देश में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ हों। अभी लोकसभा यानी आम चुनाव और विधानसभा चुनाव पांच साल के अंतराल में होते हैं। इसकी व्यवस्था भारतीय संविधान में की गई है। अलग-अलग राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल अलग-अलग समय पर पूरा होता है, उसी के हिसाब से उस राज्य में विधानसभा चुनाव होते हैं।

हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं जहां विधानसभा और लोकसभा चुनाव एक साथ होते हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और सिक्किम जैसे राज्य शामिल हैं। वहीं, राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और मिजोरम जैसे राज्यों के चुनाव लोकसभा चुनाव से ऐन पहले हुए तो लोकसभा चुनाव खत्म होने के छह महीने के भीतर हरियाणा, जम्मू कश्मीर में चुनाव हुए। इसके बाद महाराष्ट्र और झारखंड में चुनाव कराए गए। अब दिल्ली में चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है।

एक देश एक चुनाव की बहस की वजह क्या है?

दरअसल, एक देश एक चुनाव की बहस 2018 में विधि आयोग के एक मसौदा रिपोर्ट के बाद शुरू हुई थी। उस रिपोर्ट में आर्थिक वजहों को गिनाया गया था। आयोग का कहना था कि 2014 में लोकसभा चुनावों का खर्च और उसके बाद हुए विधानसभा चुनावों का खर्च लगभग समान रहा है। वहीं, साथ-साथ चुनाव होने पर यह खर्च 50:50 के अनुपात में बंट जाएगा।

सरकार को सौंपी अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट में विधि आयोग का कहना था कि साल 1967 के बाद एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया बाधित हो गई। आयोग का कहना था कि आजादी के शुरूआती सालों में देश में एक पार्टी का राज था और क्षेत्रीय दल कमजोर थे। धीरे-धीरे अन्य दल मजबूत हुए कई राज्यों की सत्ता में आए। वहीं, संविधान की धारा 356 के प्रयोग ने भी एक साथ चुनाव कराने की प्रक्रिया को बाधित किया। अब देश की राजनीति में बदलाव आ चुका है। कई राज्यों में क्षेत्रीय दलों की संख्या काफी बढ़ी है। वहीं, कई राज्यों में इनकी सरकार भी है।

एक साथ चुनाव पर बनी समिति की सिफारिशें क्या थीं?

समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि एक साथ चुनाव की सिफारिशें को दो चरणों में कार्यान्वित किया जाएगा। पहले चरण में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ आयोजित किये जायेंगे।

एनडीआरएफ की 8वीं बटालियन में कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एनडीआरएफ गाजियाबाद में 9 से 14 दिसम्बर 2024 तक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेहरू युवा केन्द्र गाजियाबाद द्वारा चतुर्थ कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारम्भ जिलाधिकारी गाजियाबाद इंद्र विक्रम सिंह एवं एनडीआरएफ कमांडेंट प्रवीण कुमार तिवारी द्वारा द्वीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस दौरान कश्मीरी बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये गये।

इस कार्यक्रम में कश्मीर के 6 जनपदों में अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुला, बडगाम, श्रीनगर, पुलवामा सहित 6 जिलों के 120 युवा-युवतियों सहित 12 युवा नेता कुल 132 युवा प्रतिभाग कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कश्मीर के युवाओं का यहां की संस्कृति और विरासत को नजदीक से जानना है। ये सभी प्रतिभागी एनडीआरएफ कैम्पस में ही रह रहे हैं और एनडीआरएफ कैम्पस में बने हुए शहीद ओडिटोरियम में इनके लिए कायक्रमों का आयोजन करवाया जा रहा है। इसके साथ ही इनके लिए कैम्पस में ही क्रिकेट, बॉलीवाल, बैडमिन्टन आदि खेलों का आयोजन करवाया जा रहा है, तथा इन युवाओं ने वाहिनी कैम्पस में ही बनाये गये Zip Line, Miyawaki Forest, Scientific Bee-Keeping का भी भ्रमण किया।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। शुक्रवार 13 दिसंबर – 2024 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के अध्यक्ष वाले बयान पर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने किया रिएक्ट

कहा- उनके मार्गदर्शन में चलनी चाहिए पार्टी और उनका सुझाव है सबसे ज्यादा बेस्ट

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच संतुलन की बात को लेकर ये कहा था कि संगठन के निर्माण में जनप्रतिनिधियों का दखल नहीं होना चाहिए। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने इस बात पर जोर दिया कि महानगर अध्यक्ष किसी भी व्यक्ति विशेष की जेब का व्यक्ति नहीं होना चाहिए। वह जनता के बीच रहकर काम करने वाला हो और कार्यकताओं के साथ उसका संवाद बेहतर हो। पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने अपने बयान में ये भी कहा था कि महानगर अध्यक्ष के लिए ईमानदार होना पहली शर्त है और महानगर अध्यक्ष मेनिपुलेशन वाला नहीं होना चाहिए। महानगर अध्यक्ष पुराना कार्यकर्ता होना चाहिए। यहां पर पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने जहां इस बात पर जोर दिया कि महानगर अध्यक्ष किसी की जेब का नहीं होना चाहिए वहीं उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन ये कहा कि जो लोग खुद को भाजपा का मालिक समझ रहे हैं उन लोगों की गलतफहमी जल्द ही दूर हो जाएगी। अब रमेश चंद तोमर किसे जेब मान रहे हैं, किसे जेब का नेता मान रहे हैं ये उन्होंने नहीं किया, किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन ये कहा कि महानगर अध्यक्ष ईमानदार होना चाहिए, वो पुराना कार्यकर्ता होना चाहिए और किसी की जेब का नहीं होना चाहिए। गुरूजी भाजपा के पुराने चावल हैं और हवा में कोई बात नहीं कहते, लेकिन जो मौजूदा सांसद हैं वो भी शब्द जादूगर हैं और सियासी हवा में उड़ती चिड़िया के पर गिन सकते हैं। उन्हें मालूम है कि किस मौके पर क्या कहना है। पूरी सियासत खामोश है और शब्दों के बाण सब समझ रहे हैं। ऐसे में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का बयान आया। उन्होंने पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के बयान पर रिएक्ट किया, अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर भाजपा के सर्वमाननीय नेता हैं। बेहद नपे तुले शब्दों में ये संदेश दिया कि पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर ने जो कुछ कहा वो ठीक है। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिये पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर का संघर्ष रहा है। मैं उनके बयान से सहमत हूं। भाजपा उनके मार्गदर्शन में चलनी चाहिए। यहां उन्होंने मार्गदर्शन की बात कही, सहमत होने की बात कही, लेकिन जब करंट क्राइम ने उनसे सवाल किया कि आप जो कुछ कहना चाहते हैं उन सब शब्दों का सार क्या है, तो इस पर लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मेरे इन्हीं शब्दों में पूरी बात का सार छुपा हुआ है।

मेयर सुनीता दयाल ने कहा- इनकी भी राय ठीक और उनकी भी सोच अच्छी

करंट क्राइम। संगठन और जनप्रतिनिधि के बीच संस्तुति का सेतु खत्म करने की बात हो रही है। चार के सांसद कह रहे हैं कि महानगर अध्यक्ष किसी का जेबी नहीं होना चाहिए। तीन बार के विधायक, दो बार के मंत्री और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग पूर्व सांसद की बात से सहमत हैं और अपनी बात में ही वो सार बता रहे हैं। ऐसे में दैनिक करंट क्राइम ने गाजियाबाद की मेयर सुनीता दयाल से बात की। सुनीता दयाल अपने आप में भाजपा का एक युग है। लंबे समय की राजनीति का अनुभव है। विधानसभा चुनाव लड़ने से लेकर मेयर चुनाव का अनुभव है। संगठन का अनुभव है, प्रदेश उपाध्यक्ष हैं और सबसे बड़ी बात ये है कि गाजियाबाद की भगवा सियासत में उनके लगाए कई पौधे अब वृक्ष बन चुके हैं। वो भगवा सियासत का बड़ा चेहरा है। जब उनके स्वयं के क्षेत्र में संगठन की बात हो रही है तो दैनिक करंट क्राइम ने मेयर सुनीता दयाल से राय जानी।

जब ये पूछा गया कि क्या आप अतुल गर्ग की बात से सहमत हैं तो उन्होंने कहा कि वो जनप्रतिनिधि हैं, उनकी भी बात ठीक है और जब पूर्व सांसद की बात आई तो उन्होंने कहा कि उनकी राय भी ठीक है। यहां पर मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है पार्टी ने ये निर्देश दिये हैं कि जनप्रतिनिधियों से बात करके उनसे सलाह मशविरा करने के बाद ही संगठन अध्यक्ष बनाए गए, लेकिन उन्होंने कहा कि अतुल गर्ग अब राष्ट्रीय नेता हैं। उनके पास संगठन की बड़ी जिम्मेदारियां हैं तो हो सकता है कि वो इस नाते इस पूरे मामले से संस्तुति के क्रम से स्वयं को दूर रखना चाहते हो तो उस नजरिये से उनकी भी राय ठीक है।

वहीं जब पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर के 'जेबी' अध्यक्ष की बात चली तो मेयर सुनीता दयाल ने कहा कि उनकी राय भी ठीक है क्योंकि अध्यक्ष ऐसा होना चाहिए जो अपने पराय का भेद ना करके पार्टी के हिसाब से चले। पार्टी की नीतियों की समझ हो औरप ये सही बात है कि महानगर अध्यक्ष किसी का भी 'जेबी' नहीं होना चाहिए। मेयर सुनीता दयाल ने इस पूरे मामले पर अपनी राय देते हुए कहा कि सबसे पहले तो नए और पुराने कार्यकताओं के बीच संतुलन होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां तक संगठन के दायित्वों की बात है तो मेरा ये मानना है कि पुराने और अनुभवी कार्यकर्ता को ये मौका मिलना चाहिए और जिन कार्यकताओं ने पार्टी के लिये संघर्ष किया है, जिन्हें संगठन के अन्य दायित्वों का अनुभव है उन्हें ही मौका दिया जाना चाहिए।

'कौन बनेगा भाजपा संगठन का सरताज'

महानगर अध्यक्ष पद के लिए मोनिका पंडिता की दावेदारी

महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष से लेकर शहर मंडल प्रभारी के रूप में किया है काम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा में महानगर अध्यक्ष के लिये कवायद चल रही है और अब नाम शॉर्टलिस्ट होने शुरू हो गए हैं। अध्यक्ष पद की दावेदारी में सभी दावेदार अपने-अपने रिपोर्ट कार्ड के साथ हैं और वो महानगर संगठन की कमान संभालने के लिये तैयार हैं। दावेदारों की इस कड़ी में मोनिका पंडिता ने भी अध्यक्ष पद के लिये दावेदारी की है। मोनिका पंडिता मूल रूप से कश्मीर की रहने वाली और गाजियाबाद के वैशाली क्षेत्र में रह रही है। उनके पास लोकसभा क्षेत्रीय और विधानसभा से लेकर मंडल की जिम्मेदारियां हैं। मोनिका पंडिता पश्चिमी उत्तर प्रदेश में महिला मोर्चा की क्षेत्रीय उपाध्यक्ष हैं वो लोकसभा चुनाव 2024 में बूथ अध्यक्ष रही हैं। वो गाजियाबाद विधानसभा में शहर मंडल प्रभारी हैं और गाजियाबाद भाजपा महिला की पदाधिकारी हैं। वो विधानसभा चुनाव 2022में बूथ अध्यक्ष रही है और नमो एप में महिला स्वयंसेवक है।

2016 में भाजपा से जुड़ीं और विभिन्न अभियानों में किया है सक्रिय काम

करंट क्राइम। मोनिका पंडिता ने वर्ष 2016 में भाजपा ज्वाइन की और बूथ अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में वार्ड 77 वैशाली में बूथ प्रभारी के रूप में काम किया और चुनाव के दौरान डोर-टू-डोर प्रचार में हिस्सा लिया। वो वोटर आईडी कार्ड अभियान में सक्रिय रूप से जुड़ी हैं। कोविड जागरूकता अभियान में वार्ड 77 वैशाली में आम जनता के लिये कोविड परीक्षण शिविर आयोजित करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। उन्होंने क्षेत्र और परिवेश को स्वच्छ रखने के लिये स्वच्छ भारत अभियान के लिये काम किया। उन्हें इसके लिये गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सम्मानित किया गया। श्रीराम मंदिर निर्माण के लिये वैशाली क्षेत्र से सहयोग राशि एकत्र करने के लिये सक्रिय रूप से काम किया है।

गुजरात को लेकर मध्यप्रदेश और जम्मू कश्मीर तक किया है प्रचार

करंट क्राइम। मोनिका पंडिता ने जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव 2024 में जिला रियासी में विधानसभा प्रमुख के नाते कार्य किया और यहां दोनों भाजपा प्रत्याशियों ने प्रचण्ड बहुमत से विजय दर्ज की। उन्होंने गुजरात विधानसभा चुनाव 2022 में राजकोट पूर्व और पश्चिम में विधानसभा प्रमुख के रूप में कार्य किया, जहां दोनों क्षेत्रों में दोनों प्रत्याशियों ने प्रचण्ड बहुमत से विजय प्राप्त की। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में छतरपुर में विधानसभा प्रमुख के रूप में काम किया और महाराजपुर प्रत्याशी को विजय प्राप्त कराई।

महिला शक्तिकरण से लेकर सामाजिक कार्यों में रही है भूमिका

करंट क्राइम। मोनिका पंडिता ने लोकसभा चुनाव 2024 में गाजियाबाद में लोकसभा महिला संपर्क प्रमुख के रूप में कार्य किया। क्षेत्रीय संयोजिका के नाते पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी 19 जिलों में महिला सम्मेलनों का आयोजन किया। ह्याप्रधानमंत्री महिला सेल्फी विद लाभार्थीह्ल में 22 हजार से अधिक लाभार्थी बहनों के साथ संपर्क किया और सेल्फी ली और जिसके लिये सम्मानित किया गया। स्वयं सहायता समूह अभियान के सभी 19 जिलों में क्षेत्रीय सयांजिका के नाते सभी कार्यक्रम आयोजित किये। कमल मित्र अभियान में क्षेत्रीय संयोजिका के नाते 300 से अधिक कमल मित्र बनाए।

असली मालिक की जमीन को नकली मलिक ने कई बार बेचने का बनाया था प्लान

अब तक आरोपी ने की थी 7 लोगों से करोड़ों की डील

- जब साहिबाबाद पुलिस ने आरोपी राजकुमार गर्ग को किया गिरफ्तार तो उम्र देखकर सब रह गए हैरान

गाजियाबाद, करंट क्राइम : साहिबाबाद पुलिस ने एक ऐसे शातिर ठग और जालसाज को गिरफ्तार किया है जो लगभग 1000 करोड़ की जमीन को अपने फर्जी पहचान पत्र, आधार कार्ड, फर्जी दस्तावेजों से तैयार पासपोर्ट और अन्य दस्तावेजों के सहारे बेचने का प्लान बना रहा था। इसने अब तक बीते 8 सालों के दौरान सात लोगों से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर प्लॉट और कई एकड़ जमीन बेचने की डील की और करोड़ों रुपए की काली कमाई भी की है। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी राजकुमार गर्ग पुत्र स्वर्गीय सूरजमल गर्ग वर्तमान में मेरठ में रहने वाले 72 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि 2016 में जिस बैंक में राजकुमार गर्ग ने अपना अकाउंट खोला था, बाद में उन्हीं दस्तावेजों में वह खुद को राजकुमार अग्रवाल बताने लगा। दरअसल उसे पता चला था कि राजकुमार अग्रवाल की पीर के पीछे 33 एकड़ जमीन है। जिसकी कीमत लगभग 1000 करोड़ के आसपास है और उसने इसी के छोटे-छोटे हिस्से कब्जाने के लिए यह पूरा प्लान बनाया था। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल और एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने साहिबाबाद थाना प्रभारी योगेंद्र के साथ इस पूरे मामले का खुलासा किया है। पुलिस कमियनरेट गाजियाबाद का दावा है कि राजकुमार गर्ग के ऊपर गाजियाबाद में कुल सात मुकदमे धोखाधड़ी के दर्ज हैं। उसपर गैंगस्टर एक्ट भी लगा हुआ है। उसके खिलाफ 2020 में पहला मुकदमा दर्ज हुआ था, जबकि साल 2024 में साहिबाबाद थाने में ही कर अलग-अलग मामलों के मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।

करोड़ों की जमीन के लिए राजकुमार गर्ग बना था राजकुमार अग्रवाल

करंट क्राइम : पुलिस ने बताया है कि अर्थला मेट्रो स्टेशन के पास करोड़ों रुपए की जमीन खाली थी, जो राज कुमार अग्रवाल पुत्र गोपाल दास अग्रवाल निवासी 149 जीटी रोड साहिबाबाद की थी। वह यहां रहते नहीं थे, इस जमीन की जब राजकुमार गर्ग को जानकारी लगी, तो उसने अपने पुराने बैंक में अपने नाम को राजकुमार अग्रवाल दर्ज करवा दिया। साथी अपने पिता का नाम सूरजमल गर्ग की जगह गोपाल दास अग्रवाल दर्शा दिया और फर्जी दस्तावेज बना डाले। पुलिस ने इस मामले की जांच की तो तमाम ऐसे सबूत मिले, जिसमें उसके द्वारा घपला, धोखाधड़ी और फ्रॉड करने की जानकारी मिली। पुलिस ने बताया है कि राजकुमार गर्ग राजकुमार अग्रवाल करोड़ की जमीन हड़पने के लिए ही बना था। इस मामले में पुलिस चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है जबकि मुख्य आरोपी राजकुमार गर्ग अब गिरफ्तार किया गया है।

अब तक 7 को बनाया है राजकुमार गर्ग ने शिकार

करंट क्राइम : साहिबाबाद पुलिस ने बताया है कि राजकुमार गर्ग अबतक इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर धोखाणड़ी करने की कई घटनाएं कर चुका है। इसके द्वारा रविंद्र सिंह नंदनगरी दिल्ली के साथ इसी प्रकार धोखाधड़ी की गई। इसके साथ ही दिलीप सिंह पुत्र परविंदर सिंह शाहदरा के साथ भी इसी प्रकार की ठगी का प्रयास किया गया। इस संबंध में पुलिस तत्परता से जांच कर रही है। इस मामले में कई और खुलासे भी हो सकते हैं। बता दें कि राजकुमार गर्ग के ऊपर साहिबाबाद थाने में धोखाधड़ी गैंगस्टर के सात मुकदमे भी दर्ज हैं।

कभी राजकुमार गर्ग बदलता था अपना फोन नंबर, तो कभी पता

करंट क्राइम : एसीपी साहिबाबाद रजनीश उपाध्याय ने बताया है कि पुलिस जब इस पूरे मामले की विवेचना कर रही थी तो जानकारी मिली कि राजकुमार गर्ग कभी अपना फोन नंबर बदल देता था ताकि उस जमीन की खरीद फरोक करने वाले लोग संपर्क ना कर पाएं। तो कभी वह अपना पता बदल लेता था। बताया जा रहा है कि अर्थला मेट्रो स्टेशन के पीछे जो 33 एकड़ जमीन है ,उसकी कीमत लगभग 1000 करोड़ के आसपास है और इसी मोटी जमीन पर राजकुमार गर्ग जो खुद को राजकुमार अग्रवाल बन चुका था, उसकी नजर थी।

गुरुवार को पुलिस लाइन में हुई प्रेसवार्ता के दौरान राजकुमार अग्रवाल असली और नकली राजकुमार अग्रवाल जब दोनों आमने-सामने हुए तो पीड़ित भी हैरान हो गए की 72 वर्षीय राजकुमार गर्ग बीते कई सालों से किस प्रकार से ठगी का पूरा धंधा कर रहा है।

ठंड बढ़ते ही नगर निगम ने शुरू कर दी अलाव वाली व्यवस्था, 20 स्थानों पर किया गया प्रबंध

जल्द ही शहर के प्रमुख चौराहों पर भी जलेगा अलाव

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद सहित दिल्ली-एनसीआर में ठंड बढ़नी शुरू हो गई है और न्यूनतम तापमान गिरना शुरू हो गया है। न्यूनतम तापमान में गिरावट आने से मौसम में सर्दी नजर आने लगी है। सुबह और शाम के समय न्यूनतम तापमान पांच डिग्री के करीब पहुंच गया है। सर्दी बढ़ने पर नगर निगम ने शहर में बनाए गए, 20 आश्रय स्थलों पर अलाव की व्यवस्था करना शुरू कर दी गई है। तो वहीं नगर निगम के उद्यान अधिकारी अनुज ने बताया है कि जल्द ही शहर के प्रमुख चौराहों पर अलाव की व्यवस्था की जाएगी ताकि लोगों को सर्दी से राहत प्रदान की जा सके। इसके साथ ही बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों और सार्वजनिक स्थानों पर भी लोगों की सुविधा अनुरूप अलाव जलाए जाएंगे। उधर मौसम विभाग का कहना है कि आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट आएगी और तेज हवाओं के चलने से सर्दी का एहसास अधिक होगा। इसी को लेकर नगर निगम ने अलाव की व्यवस्थाएं शुरु कर दी हैं।

दो दिन में शुरू हो जाएंगे चौराहों पर अलाव

करंट क्राइम : नगर निगम शहरभर में कई दर्जन स्थानों पर अलाव की व्यवस्था करता है। जहां शाम से ही रात तक अलाव जलाया जाता है ताकि लोगों को सर्दी से राहत मिले और लोगों के साथ ही बेजुबान भी इसका सहारा ले सकें। नगर निगम के उद्यान अधिकारी अनुज ने बताया है कि दो दिन के भीतर नगर निगम शहरभर के प्रमुख चौराहे जिसमें मोहन नगर, वसुंधरा, कौशांबी, राजेंद्र नगर के साथ ही पुराना बस अड्डा, नया बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, नया रेलवे स्टेशन, राजनगर, आरडीसी गोल चक्कर, हापुड़ चुंगी, राजनगर एक्सटेंशन के साथ ही कई अन्य स्थानों पर अलाव लगाया जाएगा।

लोगों के साथ ही बेजुबानों के लिए भी की गई है व्यवस्था

करंट क्राइम : नगर निगम जहां शहरभर में दर्जनों स्थानों पर लोगों को ठंडी से बचाने के लिए अलाव की व्यवस्था कर रहा है। तो वहीं नगर निगम के स्वान घर और हरनंदी पार्क व गौशालाओं में भी अलाव की व्यवस्था कर रहा है ताकि लोगों के साथ ही बेजुबानों को भी सर्दी से बचाया जा सके। उनके जीवन को सुरक्षित रखा जा सके। वहीं नगर निगम के अधिकारियों ने बताया है कि अलाव के लिए पर्याप्त संख्या में लकड़ी का प्रबंध कर लिया गया है ताकि पूरे ठंड के मौसम में जब शीत लहर अपना प्रकोप दिखाती है, उस वक्त अलाव का प्रबंध किया जा सके।

अधिकारी जल्द करेंगे अलाव वाले स्थानों का निरीक्षण

करंट क्राइम : नगर निगम की ओर से शहरभर में अलाव की व्यवस्था के लिए दो दिन में सभी स्थानों पर इसे शुरू करने का दावा किया जा रहा है। तो वहीं अधिकारियों से जानकारी मिली है कि जल्द ही नगर आयुक्त, महापौर और जिलाधिकारी अलग-अलग स्थान पर निरीक्षण करेंगे और देखेंगे कहां पर समय से अलाव जलता है और कहां नगर निगम और अन्य कर्मचारियों द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। बता दें अगर कहीं पर अलाव के संचालन में लापरवाही मिलेगी तो संबंधित कर्मचारियों व अधिकारियों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

संपादकीय

सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड योजना

सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड को नवंबर 2015 में पेश किया गया था। इस समाचार पत्र में प्रकाशित एक खबर के मुताबिक अब उन्हें बंद किया जाने वाला है। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 18,500 करोड़ रुपये के गोल्ड बॉन्ड जारी करने की बात बजट में कही थी। लेकिन, अब तक उसने इन्हें जारी नहीं किया है। गोल्ड बॉन्ड आठ साल में परिपक्व होते हैं और उनके परिपक्वता मूल्य पर 2.5 फीसदी वार्षिक ब्याज दिया जाता है। उन्हें सोने की मौजूदा दर पर भी भुनाया जा सकता है। वे सरकारी खजाने पर भारी पड़ रहे हैं और चूंकि ये अपने मूल लक्ष्य में कामयाब नहीं हो रहे, इसलिए उन्हें बंद किया जाना स्वागतयोग्य होगा। इन्हें इस बात का उदाहरण माना जाना चाहिए कि कैसे एक नीतिगत उपाय का इस्तेमाल अलग-अलग समस्या हल करने के लिए किया जाना खतरनाक हो सकता है। जब उन्हें पेश किया गया था तब उम्मीद की गई थी कि वे कई काम करेंगे। मसलन वे सोने की मांग को नियंत्रित करेंगे जो भारत में हमेशा से ऊंची रही है, वे पारिवारिक बचत वित्तीय तंत्र में पहुंचाने का एक और रास्ता सुझाएंगे, वे सरकारी खजाने में इजाफा करेंगे, भारत भुगतान संतुलन संकट से उबरा ही है और ऐसे में वे सोने का आयात कम करेंगे। इस संकट में सोने के भारी भरकम आयात पर होने वाले खर्च का बड़ा हाथ था। ऐसा नहीं लगता है कि इस बात पर विचार भी किया गया कि इनमें से किसी एक लक्ष्य में मिली कामयाबी दूसरे के लिए नुकसानदेह हो सकती है। न ही विनिमय दर जोखिम या जिंस कीमतों के जोखिम का सही अनुमान लगाया गया।

वास्तव में 2015 से अब तक सोने की कीमतों में जो इजाफा हुआ है उसने सॉवरिन गोल्ड बॉन्ड को काफी आकर्षक बना दिया। वार्षिक चक्रवृद्धि दर के अनुसार सोने की कीमतों में 2011 से 11 फीसदी का इजाफा हुआ है। जब इसमें 2.5 फीसदी की ब्याज दर को शामिल कर दिया जाता है तो प्रभावी सीएजीआर 13 फीसदी से अधिक हो जाती है। इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इन बॉन्ड को पूंजीगत लाभ कर से भी रियायत दी गई। यह बात भी ऐसे समय में सरकार की बजट की कवायद को मुश्किल बनाने वाली है जब वह अपना राजकोषीय घाटा कम करने का प्रयास कर रही है। इतना ही नहीं रकम हासिल करने के स्रोत के रूप में भी यह नियमित बॉन्ड बाजार से महंगा है। यह धारणा गलत साबित हुई कि सरकार भारतीयों की सोने की ललक का इस्तेमाल ऋण पर अपना खर्च कम करने में कर लेगी। ऐसे में योजना को बंद करना आश्चर्य की बात नहीं है। अधिकारी यह दलील दे सकते हैं कि योजना अपना समय पूरा कर चुकी है क्योंकि भारत का चालू खाते का घाटा अब दिक्कतदेह नहीं रहा है। यह सही है कि भारत में पूंजी की आवक उसके आयात की भरपाई के लिहाज से पर्याप्त है। मगर ऐसा नहीं है कि सोने की घरेलू मांग में कमी ने इसमें हमारी मदद की हो। यह कवायद दिखाती है कि इस तरह घरेलू मांग में हेरफेर करने वाली योजनाएं किस तरह निरर्थक साबित होती हैं।

अगले ढाई वर्षों में भारत का निर्यात 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा : पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार देश का निर्यात अगले दो से ढाई वर्षों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा। उन्होंने गुरुवार को भारत की आर्थिक वृद्धि पर चर्चा करते हुए यह बात कही। केंद्रीय मंत्री आगे क्या बोले आइए जानें। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार देश का निर्यात अगले दो से ढाई वर्षों में 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर जाएगा। उन्होंने गुरुवार को भारत की आर्थिक वृद्धि पर चर्चा करते हुए यह बात कही। इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव नामक एक कार्यक्रम में, गोयल ने यह भी बताया कि इस साल भारत का निर्यात 800 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार करने वाला है, जो देश के बढ़ते वैश्विक व्यापार को दिखाता है। गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत ने दुनिया भर में एक अनुकूल निवेश गंतव्य के रूप में पहचान हासिल की है। उन्होंने कहा, इस साल निर्यात 800 बिलियन डॉलर को पार कर जाएगा, और अगले दो, ढाई वर्षों में लगभग एक ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। आज दुनिया भर में, यह मान्यता है कि भारत में निवेश का सबसे अच्छा अवसर है।

मंत्री ने आर्थिक विकास को गति देने के लिए सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण को रेखांकित किया। इसमें बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे की शुरूआत, नागरिकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से सामाजिक कल्याण कार्यक्रम और विशेष रूप से महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करने वाली पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे अधिक से अधिक महिलाएं औपचारिक अर्थव्यवस्था में भाग लेंगी, वे समावेशी विकास सुनिश्चित करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगीं। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि देश में कोई भी बच्चा भोजन, कपड़े, आश्रय और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित न रहे। बुनियादी ढांचे के विकास में भारत की तेज प्रगति पर बोलते हुए गोयल ने कहा कि पिछले एक दशक में सड़कों और एक्सप्रेसवे की लंबाई लगभग तीन गुना हो गई है। उन्होंने भारत की तकनीकी प्रगति की भी प्रशंसा की, दूरदराज के इलाकों में भी 4ळ नेटवर्क के तेजी से रोलआउट और अभूतपूर्व गति से 5ळ की चल रही तैनाती की ओर इशारा किया। गोयल ने कहा कि पिछले दशक की तुलना में पिछले दशक में 119 प्रतिशत की वृद्धि के साथ प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। उन्होंने खुलासा किया कि 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के कुल एफडीआई प्रवाह का दो-तिहाई पिछले 10 वर्षों में आया है, जो भारत की आर्थिक क्षमता में मजबूत वैश्विक विश्वास का संकेत देता है। उन्होंने कहा, दुनिया भारत को निवेश करने के लिए सबसे अच्छे अवसर के रूप में पहचानती है। भारत में अब तक कुल एफडीआई का दो-तिहाई, एक ट्रिलियन डॉलर, पिछले 10 वर्षों में आया है। मंत्री ने अनुमान लगाया कि भारत 2047 तक 30-35 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो देश के समृद्ध और विकसित देश बनने के दृष्टिकोण के तहत है। उन्होंने कहा, श्विकसित भारत का लक्ष्य एक समृद्ध राष्ट्र, एक विकसित राष्ट्र और एक ऐसी अर्थव्यवस्था बनना है, जहां युवा दुनिया भर में सर्वश्रेष्ठ के साथ जुड़ने के इच्छुक हों।

केंद्र सरकार वित्त वर्ष 2025 में अतिरिक्त 86730 करोड़ रुपये खर्च करेगी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों का पहला बैच लोकसभा में पेश किया, जिसमें 87,762.56 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय को अधिकृत करने के लिए सदन की मंजूरी मांगी गई। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में 44,143 करोड़ रुपये के अतिरिक्त शुद्ध नकद व्यय के लिए गुरुवार को संसद की मंजूरी मांगी। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों का पहला बैच लोकसभा में पेश किया, जिसमें 87,762.56 करोड़ रुपये के सकल अतिरिक्त व्यय को अधिकृत करने के लिए सदन की मंजूरी मांगी गई।

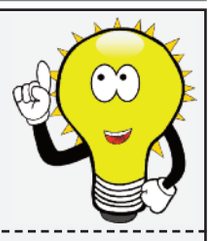

इसमें से, शुद्ध नकद व्यय से संबंधित प्रस्ताव कुल मिलाकर 44,142.87 करोड़ रुपये हैं। इसके अलावे मंत्रालयों/विभागों की बचत या बढ़ी हुई प्राप्तियों/वसूलियों के साथ सकल अतिरिक्त व्यय कुल मिलाकर 43,618.43 करोड़ रुपये है। इसमें उर्वरक सब्सिडी योजना के लिए 6,593.73 करोड़ रुपये खर्च करने की मंजूरी भी शामिल है।

महंगाई के मोर्चे पर राहत, खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.48 प्रतिशत रही

नई दिल्ली। भारत में आम जनता के लिए महंगाई के मोर्चे पर अच्छी खबर है। नवंबर 2024 में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) या खुदरा महंगाई दर कम होकर 5.48 प्रतिशत हो गई है, जो कि अक्टूबर में 6.21 प्रतिशत थी। यह जानकारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा गुरुवार को जारी किए गए आंकड़ों से मिली। नवंबर 2024 में मासिक आधार के साथ सालाना आधार पर भी खुदरा महंगाई में कमी देखने को मिली है और नवंबर 2023 में यह 5.5 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, बीते महीने ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 5.95 प्रतिशत रही है। वहीं, शहरी इलाकों में खुदरा महंगाई दर 4.83 प्रतिशत है। खाद्य महंगाई दर नवंबर 2024 में 9.04 प्रतिशत पर रही है। ग्रामीण इलाकों में यह 9.10 प्रतिशत और शहरी इलाकों में 8.74 प्रतिशत थी। नवंबर 2024 में सब्जियों, दालों, चीनी, फल, अंडे, दूध और उत्पाद, मसाले, परिवहन एवं संचार और पर्सनल केयर सहित कई श्रेणियों में महंगाई दर में कमी देखने को मिली है। पिछले महीने सालाना आधार पर सबसे ज्यादा महंगाई दर लहसुन में 85.14 प्रतिशत, आलू में 66.65 प्रतिशत, फूलगोभी में 47.70 प्रतिशत, पत्तागोभी में 43.58 प्रतिशत और नारियल तेल में 42.13 प्रतिशत रही है। इस दौरान सालाना आधार पर सबसे कम महंगाई दर जीरा में -35.04 प्रतिशत, अदरक में -16.96 प्रतिशत, एलपीजी में -10.24 प्रतिशत और सूखी मिर्च में -

9.73 प्रतिशत रही है। अक्टूबर 2024 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तय किए गए महंगाई के बैंड 2 से 6 प्रतिशत के ऊपर निकलने के बाद एक बार फिर से खुदरा मुद्रास्फीति काबू में आ गई है। आरबीआई द्वारा महंगाई के 4 प्रतिशत से नीचे आने का इंतजार किया जा रहा है, जिससे ब्याज दरों में कटौती कर वृद्धि दर को बढ़ाया जा सके। आरबीआई ने दिसंबर 2024 की मौद्रिक नीति में वृद्धि दर और महंगाई में बैलेंस रखते हुए कैश रिजर्व रेश्यो (सीआरआर) में 0.50 प्रतिशत की कटौती की थी, जिससे बैंकिंग सिस्टम में तरलता में इजाफा हुआ है।

टेलीकॉम पीएलआई में 3,998 करोड़ रुपये का हुआ वास्तविक निवेश : केंद्र

नई दिल्ली। संसद को दी गई जानकारी के अनुसार, टेलीकॉम और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में एमएसएमई और गैर-एमएसएमई द्वारा 3,998 करोड़ रुपये का वास्तविक निवेश (प्रतिबद्ध निवेश 4,014 करोड़ रुपये) हुआ है। संचार और ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि टेलीकॉम और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स के लिए पीएलआई योजना के तहत 31 अक्टूबर तक कुल 42 लाभार्थियों को मंजूरी दी गई है। टेलीकॉम प्रोडक्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और आयात निर्भरता को कम करने के लिए, दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने 2021 में टेलीकॉम और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स के लिए पीएलआई को 12,195 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ अधिसूचित किया। जून, 2022 में योजना के दिशा-निर्देशों में संशोधन किया गया, जिसमें देश में डिजाइन, विकसित और निर्मित उत्पादों के लिए 1 प्रतिशत अतिरिक्त प्रोत्साहन की पेशकश

की गई। इससे पहले, सरकार ने बताया कि टेलीकॉम और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स के लिए पीएलआई योजना के तहत निर्यात 30 सितंबर तक 12,384 करोड़ रुपये पहुंच गया। केंद्रीय मंत्री के अनुसार, सितंबर तक आवेदक कंपनियों ने कुल 65,320 करोड़ रुपये की बिक्री की थी। योजना की मुख्य विशेषताओं में 33 टेलीकॉम और नेटवर्किंग प्रोडक्ट्स, 4 से 7 प्रतिशत तक के प्रोत्साहन, पहले 3 वर्षों के लिए एमएसएमई के लिए अतिरिक्त 1 प्रतिशत प्रोत्साहन और ह्यभारत में डिजाइन उत्पादों के लिए अतिरिक्त 1 प्रतिशत प्रोत्साहन शामिल हैं। इस बीच, बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के लिए पीएलआई योजना 2020 में अधिसूचित की गई थी। स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देकर, पीएलआई योजना ने आयातित टेलीकॉम सामानों पर देश की निर्भरता को काफी हद तक कम कर दिया है। सरकार के अनुसार, भारतीय निमार्ता वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, प्रतिस्पर्धी कीमतों पर उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पेश कर रहे हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

- कई आइसलैंड निवासियों के लिए, विश्व युद्ध 2 वास्तव में 'धन्यवाद युद्ध' के रूप में जाना जाता है क्योंकि देश की आजादी के लिए धन्यवाद देने का युद्ध है।
- स्टीव जॉब्स मृत्युसैय्या पर थे, तो उन्होंने पांच अलग ऑक्सीजन मास्क मांगे ताकि वह सर्वश्रेष्ठ डिजाइन के साथ एक चुन सकें।
- यदि आप वास्तविक जीवन में राक्षसों और पिशाचों के बारे में जानना चाहते हैं, तो आप एडिनबर्ग विश्वविद्यालय में पैराप्सिओलॉजी में पीएचडी प्राप्त कर सकते हैं।
- स्पाइन्राजा, रीढ़ की हड्डी के मांसपेशी एट्रोफी के लिए एक दवा, की कीमत $ 750,000 है।
- जैसे-जैसे वैश्विक तापमान बढ़ता है, फूल कम खुशबु छोड़ रहे हैं।
- अमेजॅन का सबसे बड़ा गोदाम 17 अमेरिकी फुटबॉल क्षेत्रों के आकार जितना बड़ा है।
- इंग्लैंड में रहने वाले 770,000 लोग अंग्रेजी में अच्छी तरह से बात नहीं कर सकते हैं।
- दुनिया में सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला पासवर्ड 123456 है।

राशिफल

मेष: आराम व मनोरंजन के साधनों पर व्यय होगा। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्ति के योग हैं। राजकीय बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी।

वृष: जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा। भेंट व उपहार पर व्यय हो सकता है। किसी मामले की चिंता रह सकती है।

मिथुन: शारीरिक कष्ट की आशंका है। कार्य में विघ्न हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। परीक्षा व साक्षात्कार इत्यादि में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: पुराना रोग उभर सकता है। अपेक्षित कार्यों में विलंब होने से तनाव रहेगा। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है, सावधानी रखें।

सिंह: व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य खराब हो सकता है। खान-पान का ध्यान रखें। प्रयास सफल रहेंगे। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। राजमान के योग हैं।

कन्या: प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में परेशानी हो सकती है। मन तथा शरीर में थकान महसूस होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय होगा।

तुला: कोई बड़ा काम होने से प्रसन्नता रहेगी। भाग्य का साथ रहेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। धन प्राप्ति व रोजगार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक: किसी मद में बड़ा खर्च हो सकता है। आर्थिक? स्थिति कमजोर हो सकती है। किसी के उकसाने में न आएं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें।

धनु: आशंका-कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता कम होगी। थकान रह सकती है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

मकर: लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। उत्साह व प्रसन्नता से कार्य कर पाएंगे।

कुंभ: किसी धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लेने का अवसर मिल सकता है। आत्मिक शांति रहेगी। किसी विवाद में विजय प्राप्त होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर युवा वर्ग लापरवाही न करें। भागदौड़ अधिक होगी।

चुटकुले

टीटू की दो करोड़ की लॉटरी निकली
लॉटरीवाला- आपको टैक्स काटकर 1.75 करोड़ मिलेंगे।
टीटू- ये गलत बात है, मुझे पूरे 2 करोड़ दो नहीं तो मेरे टिकट के 100 रुपये वापस करो।

वाइफ- हम कहां जा रहे हैं?
हस्बैंड- लॉन्ग ड्राइव पर।
वाइफ- तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताया?
हस्बैंड- मुझे भी अभी-अभी पता चला, जब ब्रेक फेल हो गए।

रोड पर शराब पीकर घूम रह था शराबी मोलू, तभी एक्सीडेंट हुआ और पैर टूट गए
डॉक्टर- तुम्हें अब चलने के लिए वॉकर लेना पड़ेगा।
शराबी- जॉनी वॉकर ले लूं तो चलेगा?

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए ाजी ाएस। पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

18 साल के डी गुकेश ने रचा इतिहास... चेस के नए वर्ल्ड चैम्पियन बने, चीन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली: भारत के डी गुकेश ने अपने शानदार खेल से 18वें वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप को जीतकर इतिहास रच दिया है। डी गुकेश ने सिर्फ 18 साल की उम्र में यह कारनामा कर दिखाया है। ऐसा करने वाले गुकेशन दुनिया के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने हैं। गुकेश ने खिताबी मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की है। डी गुकेश ने चैंपियनशिप मुकाबले के 14वें और आखिरी राउंड में चीन के चैंपियन डिंग लिरेन को कड़ी टक्कर दी, लेकिन अंतिम बाजी भारत के डी गुकेश ने जीतकर खिताब को अपने नाम कर लिया।

ऐसा करने वाले दुनिया के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने हैं गुकेश। उन्होंने खिताबी मुकाबले में चीन के डिंग लिरेन को हराकर यह उपलब्धि हासिल की है।

विश्वनाथन के क्लब में भी शामिल हुए गुकेश : डिंग लिरेन के खिलाफ डी गुकेश काले मोहरों के साथ मुकाबला खेले थे। पूरे मैच में भारतीय युवा ने अपना जोरदार खेल दिखाया और हर बाजी में चीनी प्लेयर पर भारी पड़े। आखिर में डी गुकेश ने चीन की बादशाहत खत्म की और वो नए वर्ल्ड चेस चैम्पियन बने।

गुकेश ने 14 बाजी के इस मुकाबले की आखिरी क्लासिकल बाजी जीतकर लिरेन के 6.5 के मुकाबले जरूरी 7.5 अंक के साथ खिताब जीता। यह बाजी हालांकि अधिकांश समय ड्रॉ की ओर जाती दिख रही थी। गुकेश की खिताबी जीत से पहले रूस के दिग्गज गैरी कास्पारोव सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन थे जिन्होंने 1985 में अनातोली कार्पोव को हराकर 22 साल की उम्र में खिताब जीता था। गुकेश इस साल की शुरूआत में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीतने के बाद विश्व खिताब के लिए चुनौती पेश करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे। वह दिग्गज विश्वनाथन आनंद के बाद वैश्विक खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद ने अपना आखिरी खिताब 2013 में जीता था।

महिला जूनियर एशिया कप: चीन ने भारत को 2-1 से हराकर पूल ए में शीर्ष स्थान हासिल किया

मस्कट, 11 दिसंबर। चीन ने बुधवार को यहां महिला जूनियर एशिया कप में तीसरे पूल ए मैच में भारत को 2-1 से हराकर पूल ए में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इन तीन अंकों को जीतकर चीन ने पूल ए विजेता के रूप में सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

बुधवार को हुए इस महत्वपूर्ण मुकाबले में, चीन के लिए जिनझुआंग टैन (32') और लिहांग वांग (42') गोल करने वाली खिलाड़ी थी, जबकि दीपिका (56') ने भारत के लिए अपना सातवां गोल करके टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर की सूची में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

पहले क्वार्टर में दोनों पक्षों ने शुरूआती गोल की तलाश में सभी मोर्चों पर आक्रामक हमला किया। भारत ने कई मौके बनाए, लेकिन शूटिंग सर्कल में वह उतना प्रभावशाली नहीं रहा।

भारत को शुरूआती पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन गोल करने के उनके प्रयास को चीन की मजबूत बैकलाइन ने बचा लिया। पहले क्वार्टर के अंत में चीन को भी पेनल्टी कॉर्नर मिला। जिनझुआंग टैन ने गोल पर एक शक्तिशाली शॉट लगाया, जिसे भारत की गोलकीपर निधि ने महत्वपूर्ण बचाव करके स्कोर बराबर रखा।

दूसरे क्वार्टर में, भारत को लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन वे इस अवसर का लाभ नहीं उठा सके और पहला गोल नहीं कर सके। पहले हाफ में कड़ी टक्कर के बाद, दोनों टीमें अलग नहीं हो सकीं और बिना कोई गोल किए अपने डगआउट में लौट गईं।

तीसरे क्वार्टर के शुरूआती मिनटों में, चीन की जुएलिंग जेंग ने एक खतरनाक जवाबी हमला किया, क्योंकि वह बाएं विंग से भारतीय रक्षा को भेदती हुई आगे बढ़ीं और अंततः निधि ने शूटिंग सर्कल में उन्हें गिरा दिया और अपनी टीम के लिए एक पेनल्टी स्ट्रोक जीता। कप्तान जिनझुआंग टैन ने स्ट्रोक लेने के लिए कदम बढ़ाया और निधि को पीछे छोड़ते हुए एक शक्तिशाली शॉट के साथ पहला गोल किया।

चीन ने बढ़त बनाने के बाद गति बनाए रखी और ढेर सारे मौके बनाए। 42वें मिनट में, चीन ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल किया, क्योंकि उनके शीर्ष स्कोरर लिहांग वांग ने बढ़त को बढ़ाने के लिए गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

चीन ने अंतिम क्वार्टर में दो गोल की बढ़त हासिल की और खेल की गति को नियंत्रित करके तथा गेंद पर कब्जा जमाकर खेल को मजबूती से समाप्त किया। भारत ने मैच के अंतिम क्षणों में एक गोल वापस पाने के लिए अंतिम प्रयास किया। उन्होंने एक महत्वपूर्ण स्थिति में गेंद जीती और कनिका सिवाच ने दीपिका को बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने नजदीक से गोल किया। इसके साथ ही भारत ने अंतर को कम किया, लेकिन बराबरी नहीं कर सका और मैच 2-1 से हार गया।

स्टार्क, हेजलवुड, कमिंस को बीबीएल 14 की पूरक सूची में शामिल किया गया

मेलबर्न, 12 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया की प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड को आगामी बिग बैश लीग (बीबीएल) 14 सत्र के लिए पूरक सूची में शामिल किया गया है। हेजलवुड और स्टार्क दोनों को लीग के मार्की पूरक खिलाड़ी नियम के तहत सिडनी सिक्सर्स द्वारा अनुबंधित किया गया है, जबकि टेस्ट कप्तान कमिंस फिर से सिडनी थंडर की सहायक सूची में होंगे।

ऑस्ट्रेलियाई अंतरराष्ट्रीय गर्मियों में अपनी प्रतिबद्धताओं के कारण, तेज गेंदबाजी जोड़ी के मैदान पर उतरने की संभावना नहीं है, हालांकि, तेज गेंदबाज गर्मियों के दौरान ऑफ-फील्ड क्षमता में शामिल रहेंगे, जहां उनका शेड्यूल अनुमति देता है।

सिक्सर्स के महाप्रबंधक राचेल हेन्स ने कहा, मिच और जोश दोनों हमारे क्लब के संस्थापक सदस्य हैं और लंबे समय से सिक्सर्स का हिस्सा रहे हैं, इसलिए पूरे सत्र में उन्हें शामिल करने का कोई भी अवसर हमारे क्लब और हमारे प्रशंसकों के लिए जीत है। दोनों खिलाड़ियों के ग्रेग और खेल समूह के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं और उन्हें किसी भी क्षमता में शामिल करना हमेशा हमारे समूह के लिए एक बढ़ावा होगा।"

स्टार्क ने 2014 के बाद से सिक्सर्स के लिए नहीं खेला है, लेकिन उद्घाटन बीबीएल सीजन में उनका योगदान, जिसमें उनकी खिताबी जीत भी शामिल है। इस बीच, हेजलवुड, सिक्सर्स की बीबीएल 9 चैंपियनशिप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे।

इस बीच, टेस्ट कप्तान कमिंस ने फिर से सिडनी थंडर के साथ अनुबंध किया है, जिसके साथ उन्होंने बीबीएल 5 में खिताब जीता था। उन्हें बीबीएल 5 से बीबीएल 9 तक क्लब के साथ अनुबंधित किया गया था, जो अंतरराष्ट्रीय कर्तव्यों को संभालने से पहले प्रतियोगिता में उनका आखिरी कार्यकाल था।

जबकि अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी का मतलब है कि मैं जितना चाहूं उतना समय नहीं दे सकता, मैं अपनी आवाज उठाने और पूरे सत्र में खिलाड़ियों का पूरा समर्थन करने के लिए उत्साहित हूं। सैम बिलिंग्स जैसी प्रतिभा का वापस आना शानदार है। मैंने पहली बार पेनरिथ में उनके साथ खेला था, इसलिए हमारा वेस्टर्न सिडनी कनेक्शन बहुत गहरा है। वह टीम में एक बेहतरीन खिलाड़ी है।

ट्रीसा-गायत्री ने मलेशियाई जोड़ी को हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार रखीं

हांगझोउ, 12 दिसंबर। ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी ने गुरुवार को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के अपने दूसरे ग्रुप ए मुकाबले में मलेशिया की पर्ली टैन और थिनाह मुरलीधरन को 21-19, 21-19 से हराया।

भारतीय जोड़ी ने साल के अंत में होने वाले इस टूर्नामेंट में सेमीफाइनल की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखते हुए मलेशियाई जोड़ी को महज 46 मिनट में हरा दिया। ट्रीसा और गायत्री बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली एकमात्र भारतीय हैं।

ट्रीसा और गायत्री ने आक्रामक रणनीति के साथ अपने मैच की शुरूआत की और शुरूआती गेम में 6-2 की बढ़त हासिल की। मलेशियाई जोड़ी ने जल्द ही जवाबी हमला किया और मैच को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, भारतीय जोड़ी ने निर्णायक क्षणों में अपना संयम बनाए रखा और पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी पहले गेम की तरह ही तीव्रता देखने को मिली। पहले पांच अंकों तक संतुलित शुरूआत के बाद मलेशियाई जोड़ी ने थोड़ी बढ़त हासिल कर ली। 19-19 तक यह एक करीबी मुकाबला रहा, लेकिन ट्रीसा और गायत्री ने एक बार फिर अपना संयम बनाए रखा और लगातार दो अंक लेकर मैच को अपने नाम कर जीत सुनिश्चित की। भारतीय जोड़ी को बुधवार को अपने शुरूआती मैच में झटका लगा और वे विश्व की नंबर 1 और पेरिस ओलंपिक की रजत पदक विजेता चीन की लियू शेंग शू और टैन निंग से 20-22, 22-20, 21-14 से हार गईं। भारतीय जोड़ी अपने ग्रुप में चीनी जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर है।

भारत को श्रृंखला जीतने के लिए गाबा में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा : हरभजन सिंह

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम को मौजूदा बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला जीतने की राह पर आगे बढ़ने के लिए गाबा में आगामी तीसरे टेस्ट में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलना होगा। भारत, जिसने पर्थ में 295 रनों की जीत के साथ अपनी ट्रॉफी की रक्षा की शानदार शुरूआत की, एडिलेड में दूसरा मैच दस विकेट से हारने के बाद तीसरे टेस्ट में उतरेगा। श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के साथ, गाबा टेस्ट भारत के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। अगर हम इसे तीन मैचों की श्रृंखला के रूप में देखें, तो भारत को इनमें से दो जीतने होंगे। मुझे लगता है कि उनके सबसे अच्छे मौके सिडनी और मेलबर्न में होंगे। वैसे भी, अगर आप गाबा में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलते हैं और वहां जीतते हैं, तो आप मेलबर्न या सिडनी में से एक मैच जरूर जीतेंगे।

स्टार स्पोर्ट्स पर हरभजन ने कहा, तो आपको इस बारे में सोचना चाहिए। पहले दो टेस्ट की बराबरी से पता चलता है कि दोनों टीमों में वापसी करने की क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया ने वापसी की है, अब शायद भारत की बारी है।"

हरभजन ने पहले और दूसरे टेस्ट के बीच दस दिन के अंतराल पर भी बात की, जिसने भारत की गति को बाधित करने में एक कारक की भूमिका निभाई। यह श्रृंखला कठिन है क्योंकि दोनों टीमों को हार का सामना करना पड़ा है। पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के साथ जो हुआ, शायद उन्हें इसकी उम्मीद नहीं थी।

पूर्व स्पिनर ने कहा, "और एडिलेड में भारत के साथ जो हुआ, शायद भारत ने भी इसकी उम्मीद नहीं की थी। हालांकि दो टेस्ट के बीच में बहुत लंबा अंतराल था, लेकिन कभी-कभी ऐसा अंतराल गति को बिगाड़ देता है, और यहां ऐसा हुआ।"

श्रृंखला 1-1 से बराबर होने के साथ, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीसरा टेस्ट शनिवार से ब्रिस्बेन में खेला जाएगा।

रोहित ब्रिसबेन में बल्लेबाजी की शुरुआत करके पहला झटका दे सकते हैं: शास्त्री

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि संघर्ष कर रहे रोहित शर्मा का आगामी ब्रिसबेन टेस्ट में खुद को साबित करने का एकमात्र तरीका सलामी बल्लेबाज के रूप में ऑस्ट्रेलिया को पहला झटका देना है। रोहित एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की दस विकेट की हार में नंबर छह बल्लेबाज के रूप में दो पारियों में केवल नौ रन बना सके, जिससे मेजबान टीम ने पांच मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। उन दो स्कोर का मतलब है कि रोहित अब अपने पिछले छह टेस्ट मैचों में केवल 11.83 का औसत रखते हैं।

शास्त्री ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से कहा, यही वह जगह है जहां वह पिछले आठ या नौ सालों से अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर है। ऐसा नहीं है कि वह दुनिया में धूम मचाने जा रहा है - वह ऐसा कर सकता है - लेकिन यही वह जगह है जो उसके लिए सबसे अच्छी है। आगे से नेतृत्व करना। अगर उसे नुकसान पहुंचाना है, अगर उसे पहला मुक्का मारना है, तो यही वह सबसे अच्छी जगह है जहां से वह ऐसा कर सकता है।

शास्त्री ने कहा, और यह महत्वपूर्ण है कि भारत यहां अपना निर्णय सही से ले, क्योंकि श्रृंखला में 1-1, यह एक गतिशील टेस्ट मैच है। मुझे लगता है कि जो भी टीम यह टेस्ट मैच जीतेगी, वह श्रृंखला जीतेगी। मेरे मन में बिल्कुल भी संदेह नहीं है। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारत सही संतुलन बनाए, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया ने आत्मविश्वास वापस पा लिया है। शास्त्री, जिन्होंने 2018/19 और 2020/21 में ऑस्ट्रेलिया में लगातार 2-1 टेस्ट सीरीज जीत के लिए भारत को कोचिंग दी, ने याद किया कि कैसे शुभमन गिल ने ऋषभ पंत को सलाह दी थी, जो गाबा में 328 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 89 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे एक अविस्मरणीय सीरीज जीत दर्ज की जा सके। मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। पिछले सत्र में 140 रन बनाने थे। कोविड के कारण हमारे पास दो अलग-अलग चेंज रूम थे। मैं ऋषभ या (चेतेश्वर) पुजारा से बात करने के लिए कोच के कमरे से नीचे गया। जब मैं शौचालय पहुंचने वाला था, तो मैंने गिल और पंत के बीच बातचीत सुनी।

71 ओवर फेंके गए; गिल 91 रन पर आउट हो गए, और वे टीम के दो सबसे युवा खिलाड़ी थे, 21 और 22 साल के। 'नौ ओवर बचे हैं, उन्हें नई गेंद की जरूरत है, वे (मार्नस) लाबुशेन को लेग स्पिन के साथ लाएंगे, आपको वहां 45-50 रन बनाने होंगे।'

उन्होंने निष्कर्ष निकाला, वे योजना बना रहे हैं कि वे अंतिम स्कोर के करीब कैसे पहुंच सकते हैं, और मैं उन्हें किसी भी तरह से रोकने वाला नहीं था; मैं उस मानसिकता को बदलना नहीं चाहता। इसलिए मैं बस आगे बढ़ा और कहा 'जो करना है करो'। अंत में, हमने उस आखिरी सत्र में लगभग 150 रन का पीछा किया।"

शास्त्री ने यह भी कहा कि 2020/21 श्रृंखला के दौरान भारतीय टीम की एकजुटता, सख्त कोविड-19 उपायों के बावजूद, उनकी शानदार जीत के लिए महत्वपूर्ण थी, खासकर एडिलेड में श्रृंखला के पहले मैच में 36 रन पर ऑल आउट होने के बाद।

लॉकडाउन में रहना और फिर मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देना, और भारत जैसे देश में जहां 1.4 बिलियन लोग हैं, कोई सहानुभूति नहीं है। 'कोविड को भाड़ में जाने दो, कोविड क्या है, टेस्ट मैच जीत लो।' बस यही वे चाहते हैं। इसलिए दुनिया के हमारे हिस्से में कोई छिपने की जगह नहीं है।

कोविड में, पहला टेस्ट मैच आप 5 गेंदबाजों के साथ शुरू करते हैं और वही 5 गेंदबाज आखिरी टेस्ट नहीं खेलते। यह सब कुछ कहता है, यह ऑस्ट्रेलिया की तरह है जो सीरीज के आखिरी टेस्ट में इन 5 गेंदबाजों के बिना खेल रहा है; यह एक अलग गेम है।

एडिलेड की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया के पास गति है: गावस्कर

नई दिल्ली, 12 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वापसी करते हुए एडिलेड में गुलाबी गेंद से खेले गए टेस्ट में 10 विकेट से जीत दर्ज करके सीरीज 1-1 से बराबर कर ली है। अब, शनिवार को गाबा में शुरू होने वाले तीसरे टेस्ट के साथ, पूर्व क्रिकेट दिग्गज सुनील गावस्कर और हरभजन सिंह का मानना है कि शक्ति का संतुलन ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में हो गया है।

गावस्कर ने सीरीज पर गति के प्रभाव पर प्रकाश डाला। गावस्कर ने आधिकारिक प्रसारकों स्टार स्पोर्ट्स से कहा, पर्थ में जीत के बाद भारत को जो गति मिली थी, वह दूसरे टेस्ट से पहले दस दिन के अंतराल में खत्म हो गई।अब गति ऑस्ट्रेलिया के पास है क्योंकि उन्होंने एडिलेड टेस्ट जीत लिया है, और गाबा टेस्ट शुरू होने से सिर्फ तीन दिन पहले, गति निश्चित रूप से उनके पास है।

हरभजन ने गावस्कर की भावनाओं को दोहराते हुए कहा कि यह सीरीज हाल के वर्षों में सबसे

कठिन सीरीज में से एक है, क्योंकि दोनों टीमें विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता रखती हैं। इस सीरीज में अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व स्पिनर ने कहा, ऑस्ट्रेलिया के साथ पर्थ में जो हुआ, उसके बारे में उन्होंने नहीं सोचा होगा और भारत ने भी नहीं सोचा होगा कि पर्थ में अपनी शानदार जीत के बाद एडिलेड में क्या होगा। लेकिन अब, अगर हम इसे तीन मैचों की सीरीज के रूप में देखें, तो ट्रॉफी जीतने के लिए भारत को कम से कम दो मैच जीतने होंगे। उनके जीतने का सबसे अच्छा मौका सिडनी और मेलबर्न में होगा, लेकिन गाबा में जीत भारत के लिए सीरीज पर हावी होने का माहौल तैयार करेगी।

गाबा में होने वाला आगामी मैच जनवरी 2021 में भारत की ऐतिहासिक जीत की यादों को ताजा करता है। निडर ऋषभ पंत (नाबाद 89 रन) की अगुआई में कमजोर भारतीय टीम ने 328 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य हासिल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया का इस मैदान पर 32 साल का जीत का सिलसिला खत्म हो गया।

हालांकि, इस बार हालात अलग हैं। एडिलेड में मिली शानदार जीत से उत्साहित ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी लग रहा है। दूसरी ओर, भारत को ब्रिसबेन में ऑस्ट्रेलिया को चुनौती देने के लिए जल्दी से जल्दी अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में सुधार करना होगा, जो अपनी तेज गेंदबाजी अनुकूल परिस्थितियों के लिए जाना जाता है।

मिचेल मार्श टीम की जरूरत के हिसाब से गाबा टेस्ट में 'अधिकतम गेंदबाजी' करने को तैयार

ब्रिस्बेन, 12 दिसंबर। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा है कि भारत के खिलाफ आगामी ब्रिस्बेन टेस्ट में उनकी गेंदबाजी की कोई निर्धारित सीमा नहीं है और वह टीम की जरूरत के हिसाब से 'अधिकतम गेंदबाजी' करने को तैयार हैं। मार्श ने टीम के कोचिंग स्टाफ और मेडिकल टीम पर विश्वास जताया है, जिन्होंने सीरीज के लिए उनके शरीर की देखभाल करते हुए उन्हें सही तरीके से तैयार किया है।

मार्श सितंबर में इंग्लैंड के सफेद गेंद दौरे के दौरान पीठ में खिंचाव महसूस कर रहे थे, जहां उन्होंने सिर्फ एक बार गेंदबाजी की थी। यह अप्रैल में आईपीएलके दौरान लगी हैमस्ट्रिंग चोट के बाद उनकी पहली गेंदबाजी थी। सीजन की शुरूआत में उनके शेफील्ड शील्ड में गेंदबाजी करने की योजना थी, लेकिन पीठ की समस्या के कारण उन्होंने इसे टाल दिया था।

पर्थ टेस्ट के पहले दिन मार्श ने दो विकेट चटकाए थे और कुल 17 ओवर किए थे। लेकिन इसके बाद उन्हें दर्द हुआ और एडिलेड टेस्ट के लिए उनकी फिटनेस पर सवाल भी उठने लगे थे। जिसके बाद बो वेब्स्टर को भी टीम में कवर के रूप में बुलाया गया। एडिलेड टेस्ट से पहले मार्श ने गेंदबाजी नहीं की थी। हालांकि उन्होंने पहले पारी में गेंदबाजी करते हुए चार ओवर किए।

मार्श ने कहा, मेरे दिमाग में ऐसी कोई सीमा नहीं है। मैं जितना हो सके, पैटी (कमिंस) की जरूरत के अनुसार गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहूंगा। पिछले कुछ वर्षों में हमारे आलराउंडरों ने ऑस्ट्रेलिया में ज्यादा गेंदबाजी नहीं की है। लेकिन मैं हमारे मेडिकल स्टाफ, कोच रॉनी (एंड्रयू मैक्डोनाल्ड) और पैटी का आभारी हूं जिन्होंने मुझे पहले और दूसरे टेस्ट के बीच सही समय दिया ताकि मैं मैच के लिए तैयार हो सकूं। मार्श ने कहा कि उनके लिए यह महत्वपूर्ण है कि वह टीम के लिए योगदान दे सकें, चाहे वह पांच ओवर गेंदबाजी करके विकेट हासिल करना हो या सिर्फ.टीम को राहत देने के लिए ओवर फेंकना हो। एडिलेड टेस्ट में भारतीय पारी इतनी तेजी से आउट हुई कि नाथन लियोन को सिर्फ.एक ओवर फेंकने की जरूरत पड़ी।

भाजपा नेता हातम सिंह नागर के सुपौत्र कार्तिकेय का कुआं पूजन समारोह धूमधाम से संपन्न

करंट क्राइम गाजियाबाद। भाजपा नेता हातम सिंह नागर तथा निर्वेद नागर के सुपौत्र कार्तिकेय नागर का कुआं पूजन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। शिवांश नागर तथा प्रिया नागर के सुपुत्र कार्तिकेय नागर को समाज के गणमान्य लोगों ने पहुंच कर आशीर्वाद शुभाशीष प्रदान किया।

क्या हुई ऐसी बात जो चले गये गोयल बसंल हाथ वालों के साथ

ये महज ढाई साल का चुनाव है मगर इसमें कोई चाल चल रहा है तो किसी ने चाल ही बदल ली। चुनाव भी ऐसा कि उस मौहल्ले के लोग चुनाव लड़ने आ रहे हैं और दूसरे मौहल्लो के पार्षद चुनाव लड़वा रहे हैं। जब ये खबर चली कि मौहल्ले वाले नही दिख रहे तो रसम निभाने के लिये मडंल वाले भी आ गये और अब पता चला कि मौहल्ले वाले रूठ गये। जो गोयल साहब हर चुनाव में फूल ही फूल करते थे वो पता नही किस बात पर नाराज हुये और ऐसा हुये कि हाथ वालों के यहां जाकर बैठ गये। हाथ वालो के साथ दिख रहे हैं। पता चला है कि उनके साथ बसंल जी भी हाथ वालों के साथ हो लिये हैं। अब रूठे हैं तो कोई तो मनाता मगर रही सही कसर लखनऊ वाले फोन के जवाब ने कर दी। बताते हैं कि उन्होने लखनऊ फोन किया तो उधर से साफ कह दिया गया कि आप इस सबंध में मेयर और महानगर अध्यक्ष से बात करें। अब लखनऊ वालों को कौन बतायें कि गाजियाबाद में तो फोन नही रिसीव होते,सीधे मुंह बात नही होती और आप कह रहे हो कि उनसे बात कर लो। यहां वैसे ही मौहल्ले में अठहास हो रहा है कि जिसका मन करें वो हाथ के साथ हो ले और जिसका मन करें वो केतली के साथ हो लें और जिसकी मर्जी न हो वो वोट न दे मगर फिर भी खिलेगा तो मौहल्ले में कमल ही।

भगवा सगंठन की कमान और चर्चा में आ गये दो गोयल्स के नाम

भगवा गढ़ में सीन सगंठन की ओवर हालिंग का चल रहा है और मडंल के बाद महानगर की बारी है। अब तक के सबसे लोकप्रिय तो विधायक हो गये हैं। लिहाजा उनका एटीटयूड तो कुछ ये है कि अपना काम बनता और अपन तो अब देखेगें पब्लिक और जनता। बताने वाले बता रहे हैं कि सीन ये भी चल रहा है कि जो विधानसभा के टिकट मांग रहे थे अब वो महानगर की कमान भी मांग रहे हैं। सुना है कि प्रबल दावेदार अग्रवाल के नाम पर किसी ने रोड़ा लगा दिया है और अब दो केसरिया गोयल चर्चा में आ गये हैं। दोनो ही गोयल दो दो बार से विधान सभा मांग रहे थे मगर बात बनी ही नही। बताने वाले बता रहे हैं कि चुनावी दावेदारी का मुआवजा सगंठन की ताजपोशी के रूप में मांगा जा रहा है। अब जो गोयल किसी भी कारण से विधानसभा का पर्चा नही भर पाये थे वो महानगर की कुर्सी पर बैठने से इंकार नही करेगें लेकिन भगवा सूत्र ही बता रहे हैं कि ये फ्लावर हैं मेरे भाई यहां होता कुछ है, दिखता कुछ है और हो कुछ और जाता है।

आपने किया नोट कि दो दावेदार मांग रहे हैं घर घर जाकर वोट

मौहल्ले का चुनाव हैं और मौहल्ले वाले ही फुल मजा ले रहे हैं। जिसे टिकट मिला है उसे लेकर दो दावेदार इसी वार्ड के घूम रहे हैं। एक ने कहा कि ढाई साल बाद तो मुझे ही चुनाव लड़ना है और एक ने कहा कि अभी से प्रचार हमारा ही मान कर चलो। कम तो मौहल्ले वाले भी नही है और उन्होने दोनो दावेदारों को पहचान लिया है। मंदिर वालों ने बताया कि आपने ये नही नोट किया कि दो दावेदार अपने साथ उम्मीदवार को लेकर घर घर जाकर वोट मांग रहे हैं। दोनो की अपनी उम्मीदें हैं और दोनो ही अपने आप को सियासी रूप से घना सयाना मान रहे हैं। मगर इन दोनो को ये नहीं पता है कि अब ये नई भाजपा है,दीदी और यहां उसी का फूल कट जाता है जो ज्यादा फूल फूल करता है।

मौज- मस्ती के लिए गई थी बेजुबान की जान

गाजियाबाद करंट क्राइम। कविनगर थाना पुलिस ने मौज - मस्ती के लिए बेजुबान पर ज्यादती और उसकी मौत के मामले में आखिर एफआईआर दर्ज कर ली है। जी हां, हम ऊंट के उस बच्चे की बात कर रहे जिसे बीमार हालत में सवारी कराने के लिए राजनगर रामलीला समिति के द्वारा इस्तेमाल किया जा रहा था और आखिर 8 अक्टूबर को ऊंट ने राजननगर रामलीला मैदान में दम तोड़ दिया था। रामलीला समिति ने मेले के दौरान लोगों को मौज मस्ती कराने के लिए ऊंट किराए पर लिए थे, इनमें से एक की मौत हो गई थी। ऊंट की मौत को मामला संज्ञान में आने के बाद फेडरेशन ऑफ इंडियन एनिमल प्रोटेक्शन ऑर्गेनाइजेशन (एफआईपीओ) की अनामिका राणा ने कविनगर थाना पुलिस को मेल भेजकर शिकायत की थी। उसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को लिखित शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि पुलिस और रामलीला समिति की मिलीभगत से मामला रफा- दफा करने की कोशिश की गई। ऊंट के बच्चे को पोस्टमार्टम कराए बिना ही शव का अंतिम संस्कार करते साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश की गई।

रमते राम रोड पर चला अतिक्रमण हटाने का अभियान

निगम का सड़कों तथा नालियों को कब्जा मुक्त करने का अभियान जारी, 4 लाख 38 हजार का वसूला जुर्माना

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। वसुंधरा, मोहन नगर, कवि नगर तथा सिटी जोन में अभियान चलाया गया। मार्गों को खाली करते हुए आवागमन सरल बनाया गया। इसी क्रम में 4,38,000 जुर्माने की वसूली भी की गई ।

सिटी जोन के अंतर्गत रमते राम रोड पर पुलिस बल के सहयोग से विशेष कार्रवाई की गई। मार्गों को खाली कराया गया। नालियों के ऊपर से अतिक्रमण हटाया गया जिसमें 87,500 का जुर्माना वसूला गया।

वसुंधरा जोन द्वारा साहिबाबाद सब्जी मंडी के बाहर से हटाए हुए 12 ट्रकों से 2,83,000 जुर्माना वसूला तथा भविष्य में साहिबाबाद सब्जी मंडी के बाहर अवैध रूप से ट्रक ना खड़े करने तथा गंदगी न फैलाने हेतु चेतावनी देते हुए गाड़ी मालिकों को ट्रक वापस दिए गए।

कवि नगर जोन अंतर्गत आरडीसी राजनगर में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया। लगभग 67,500 का जुर्माना वसूला गया। गाजियाबाद नगर निगम लगातार शहर की सुंदरता और स्वच्छता को बरकरार रखने के लिए कार्रवाई कर रहा है जिसमें प्रत्येक जोन में कार्रवाई चल रही है। मार्गों को खाली करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। नगर आयुक्त द्वारा शहर के दुकानदारों से अतिक्रमण को बढ़ावा न देने तथा शहर की स्वच्छता को बनाए रखने की बार-बार अपील की जा रही है।

हापुड़ में डीएम बनी एक घंटे की शिक्षिका

बच्चों के हिंदी नहीं पढ़ पाने पर टीचर को लगाई फटकार

हापुड़, करंट क्राइम। हापुड़ में डीएम प्रेरणा शर्मा ने गांव बछलौता में सरकारी स्कूल का निरीक्षण कर खलबली मचा दी। वह स्कूल में शिक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए खुद पहुंच गई। इस दौरान उन्होंने बच्चों को भी पढ़ाया। इस दौरान छात्रों द्वारा हिंदी नहीं पढ़ पाने के कारण डीएम ने शिक्षक पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर डांट लगाई।

मिड-डे मील चख जानी गुणवत्ता

हापुड़ के डीएम गुरुवार को स्कूल निरीक्षण के दौरान शिक्षक की भूमिका में नजर आई। इस दौरान उन्होंने बच्चों को भी पढ़ाया। वहीं पढ़ाने के क्रम में पता चला कि स्कूल के बच्चों की हिंदी काफी खराब है। जिसके बाद डीएम ने शिक्षक पर लापरवाही की बात कहते हुए जमकर फटकार लगाई।

साथ ही प्रधानाध्यापक को सुधर करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने स्कूल में मिड-डे मील भी चखा। मीड डे मील की गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। साथ ही साफ-सफाई के निर्देश भी दिए गए।

डीएम प्रेरणा शर्मा ने कि शिक्षक इस बात का ख्याल रखें कि गुरु भगवान स्वरूप होते है। इसी का पालन करते हुए बच्चों को तन्मयता के साथ शिक्षा दें। सरकार की योजना का शत प्रतिशत लाभ दिलाने के निर्देश दिए है।

बच्चों ने नहीं दिया हिन्दी प्रश्नों का जवाब

इस दौरान जिलाधिकारी ने चौथी कक्षा के बच्चों से बारी-बारी से हिंदी पढ़ने को कहा। लेकिन चौथी कक्षा का कोई भी छात्र ठीक से हिंदी का किताब नहीं पढ़ पाया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पांचवी कक्षा के बच्चों से गणित विषय की भी जानकारी ली। इस दौरान बच्चों से उन्होंने क्लॉस में पढ़ाए जा रहे चैप्टर से जुड़े सवाल भी पूछे। जिस काफी हद तक संतोषजनक जवाब बच्चों द्वारा दिए गए।

तीन थानेदारों पर है किसकी कृपा

पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम गाजियाबाद के अंतर्गत नदिया पार से लेकर देहात वाले जोन में तीन थानाध्यक्ष ऐसे हैं, जो विशेष कृपा पर अपना चार्ज चला रहे हैं। सूत्रों से जानकारी मिली है कि भले इनका यहां वाला समय पूरा हो गया हो, ये रवानगी वाली लिस्ट में भी शामिल हों लेकिन यह चार्ज पर बने हुए हैं। इसमें एक चार्ज तो ऐसा है जिसे बीते दिनों गिफ्ट के रूप में प्रदान किया गया है, पर सूत्र बता रहे हैं कि उनका मामला थोड़ा डाउन चल रहा है। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद सिस्टम से जूड़े सूत्र बता रहे हैं की नदिया पार में दो थानाध्यक्ष जिन्हें कमिश्नरेट से बाहर जाना है, वह थाने वाली कुर्सी को संभाले हुए हैं। तो वहीं देहात में भी एक 2015 बैच वाले कब्जा जमाए बैठे हैं। 2015 बैच वाले धीरे-धीरे कमिश्नरेट से आउट हो रहे हैं, तो दूसरे कमिश्नरेट से इसी बैच वाले इन भी हो रहे हैं, पर सवाल उठ रहा है कि तीन थानाध्यक्षों पर किसकी कृपा है जो वह रवानगी के आदेश को पीछे करते हुए कुर्सी वाला चार्ज संभाले हुए हैं। वहीं थ्री-स्टार स्तर के पुलिसकर्मियों के बीच चर्चा हो रही है कि बीते दिनों 14 थ्री-स्टार बनाए गए थे। उनमें से किसी को ना तो महत्वपूर्ण पद पर भेजा गया है, ना थाने वाली जिम्मेदारी दी जा रही है। पहले पुलिस कमिश्नरेट सिस्टम में रैंकिंग वाला आधार कुर्सी को बचाने के लिए माना जाता था लेकिन अब यह भी निराधार ही साबित हो रहा है। उधर पुलिस कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि दर्जनों चौकी इंचार्ज भी 2015 बैच वाले अभी अपनी ताल ठोक रहे हैं। सूत्र बताते हैं कि एक 2015 बैच के टू-स्टार खास ऑफिस में भी हैं। वर्तमान में वह गाड़ी का गेट खोलने से लेकर बंद करने और फोन को संभालने का काम कर रहे हैं। उनके नाम की चर्चा थी कि उनको कुर्सी वाला गिफ्ट दिया जाएगा लेकिन उनको क्यों चार्ज नहीं मिला, जबकि उनके ही बैच वालों को नदिया पार में इनाम दिया गया है। इसके साथ ही पुलिस कमिश्नरेट के सूत्र बता रहे हैं कि बीते दिनों दो टू-स्टार 2015 बैच वालों को खास कार्यालय से भी जोड़ा गया है। उनको कई वर्किंग सिखाई जा रही हैं ताकि वह खुद को अप-टू- डेट कर लें। कुल मिलाकर खाकी वालों के बीच चर्चा हो रही है क्या 2015 बैच वालों के आगे थ्री- स्टार अभी वेट एंड वॉच में ही रह जाएंगे। सूत्रों ने बताया है कि नदिया पार के दो और देहात के एक थाने में जो थानाध्यक्ष हैं, वह भी 2015 बैच के हैं और उनका गाजियाबाद वाला समय पूरा हो चुका है, पर विशेष कृपा की वजह से उन पर दया बरकरार चल रही है।

बर्थडे पार्टी के दौरान दोस्त की हत्या

नोएडा, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा में बर्थडे पार्टी के दौरान चाकू से गोदकर एक दोस्त ने दूसरे दोस्त की हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी दोस्त को भी हिरासत में ले लिया है।

यह दोनों दोस्त मिलकर एक कैफे चलाते थे और बीटा टू थाना क्षेत्र के अंसल गोल्फ लिंक वन सोसाइटी के एक रूम में किराए पर रहते थे, वहीं पर रात में बर्थडे पार्टी के दौरान उनके बीच कोई विवाद हुआ और विवाद इतना बढ़ गया कि दोस्त ने ही दोस्त की हत्या कर दी। बीटा-2 क्षेत्र के अंतर्गत अंसल गोल्फ सोसाइटी में यतीन शर्मा (24) ग्राम मदन गढ़ी एडीए कॉलोनी, सासनी, अलीगढ़ जो अपने साथी चिराग चौधरी के साथ मिलकर बीटा प्लाजा में कैफे चलाता था, देर रात में वो कैफे बंद करने के बाद अंसल गोल्फ सोसाइटी के अपने कमरे पर पहुंचे, जहां पर इनकी एक महिला मित्र का बर्थडे था। उसका जन्मदिन मनाने के लिए यह दोस्त अलग-अलग केक भी लेकर पहुंचे थे लेकिन रात में केक काटने के दौरान ही दोनों दोस्तों में किसी बात को लेकर के विवाद हो गया और यह विवाद इतना बढ़ गया कि चिराग नाम के युवक ने यतिन के सीने पर चाकू से वार कर दिया। चाकू लगते ही यतिन लहूलुहान हो गया। आनन फानन में उसको नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और हत्या के बारे में मृतक के परिजनों को जानकारी दे दी गई, वह भी मौके पर पहुंच गए। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

नशा मुक्ति केंद्र में आपसी विवाद में हत्या

झगड़े के बाद युवक को चाकू मारा, इलाज के दौरान मौत

नोएडा, करंट क्राइम। ग्रेटर नोएडा के दादरी थाना क्षेत्र में एक नशा मुक्ति केंद्र में आपस में विवाद होने के बाद दो युवकों ने एक युवक की चाकू से गोंदकर हत्या कर दी। पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और दोनों आरोपी युवकों को भी हिरासत में ले लिया है।

दादरी पुलिस की तरफ से जानकारी दी गई थी, सुबह करीब 4 बजे ग्राम समाधिपुर नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती दो लड़कों में आपस में विवाद होने पर अरविंद (27) निवासी जूनपत को मोहित रावल निवासी ग्राम घोड़ी बछेड़ा और लक्की पुत्र बबली भाटी ने चाकू से वार करके गंभीर रूप से घायल कर दिया। चाकू लगते ही वह लहूलुहान हो गया, जिसके बाद नशा मुक्ति केंद्र का मैनेजर उसको घायल अवस्था में अस्पताल ले गया, जहां पर डॉक्टर के द्वारा उसको मृत घोषित कर दिया गया है। सूचना मिलते ही तत्काल प्रभाव से पुलिस मौके पर पहुंच गई और मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में दोनों आरोपियों को पुलिस के द्वारा हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस के द्वारा अन्य लोगों से भी पूछताछ की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है ।

नगर निगम ने 12 ट्रक जब्त किए

सड़क किनारे फैला रहे थे गंदगी यातायात में भी हो रही थी मुश्किल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम अतिक्रमण और गंदगी के खिलाफ सख्त हो रहा है। ऐसे लोगों और संस्थानों के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही हैं जो सड़क किनारे गंदगी फैलाते हैं या फिर यातायात में अवरोध उत्पन्न करते हैं। वसुंधरा जोन में नगर निगम की टीम ने साहिबाबाद मंडी के सामने सड़क पर लगाए गए नारियल के 12 ट्रक जब्त कर लिए। यह ट्रक एक तो सड़क किनारे गंदगी फैला रहे थे, दूसरी ओर यातायात में अवरोध उत्पन्न हो रहा था।

जोनल प्रभारियों को दिए सख्त निर्देश

नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने इसके लिए जोनल प्रभारियों को सख्त निर्देश जारी किए हैं और उसका असर भी दिखने लगा है। नगर निगम के हर जोन में बड़े पैमाने पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई हो रही है। वसुंधरा के अलावा विजयनगर और कवि नगर जोन में भी हुई कार्रवाई इसका प्रमाण है। नगरायुक्त ने कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ अभियान निरंतर जारी रहेगा। पुनः अतिक्रमण करने वालों से नगर निगम और सख्ती से निपटेगा, अगली बार जुमार्ना राशि भी बढ़ाई जाएगी। विजयनगर जोन अंतर्गत जोनल प्रभारी अंगद गुप्ता द्वारा सम्राट चौक से सेन चौक तक मार्गों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान 17000 रुपये का जुमार्ना वसूला गया और कई स्थानों पर बुलडोजर से भी कार्रवाई कराई गई। कवि नगर जोन के अंतर्गत जोनल प्रभारी राजेश गुप्ता द्वारा डायमंड फ्लाईओवर से कार्टे चौक तक स्थाई तथा अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया।

मोदी-शी मुलाकात से दोनों देशों के रिश्तों में नई शुरुआत

भारत-चीन के रिश्ते पर सीपीसी नेता लियू

बीजिंग । चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि रूस में अक्तूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई सफल मुलाकात ने भारत-चीन संबंधों में नई शुरूआत की थी।

सीपीसी के आर्तरिक विभाग के मंत्री लियू जियानचाओ ने चीन में भारतीय राजदूत प्रदीप कुमार रावत से मुलाकात के दौरान मोदी-शी के बीच रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर हुई मुलाकात का जिक्र किया। लियू का बयान चीन की आधिकारिक मीडिया के अनुसार, लियू ने इस बातचीत के दौरान कहा कि चीन-भारत संबंधों को फिर से शुरू करना दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के बुनियादी हितों को पूरा करता है। यह वैश्विक दक्षिण की आम अपेक्षाओं और इतिहास की सही

पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से चले सैन्य गतिरोध के कारण दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध लगभग ठप पड़ गए थे। गतिरोध को समाप्त करने के लिए दोनों देशों के समझौते पर पहुंचने के बाद 24 अक्तूबर को मोदी और शी ने कजान में मुलाकात की थी

दिशा के अनुरूप भी है।

लियू ने आगे कहा कि चीन भारत में सभी राजनीतिक दलों के साथ मैत्रीपूर्ण आदान-प्रदान को मजबूत करने, दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को संयुक्त रूप से लागू करने और इसके अनुसार, द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर और विकास के पथ पर शीघ्र वापस लाने का इच्छुक है।

मोदी शाह की बैठक मोदी-शी की बैठक के बाद, विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने ब्राजील में जी20 शिखर सम्मेलन के दौरान मुलाकात की। इसके बाद चीन-भारत सीमा मामलों (डब्ल्यूएमसीसी) पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र पर चर्चा हुई।

इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष पर 'दोहरे मानदंड' को खत्म करे अमेरिका : यूएन एक्सपर्ट्स

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र (यूएन) मानवाधिकार विशेषज्ञों ने इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष में अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के मामले में अमेरिका के 'दोहरे मापदंड' की निंदा की।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, जिनेवा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में चार एक्सपर्ट्स ने, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे इजरायल को इंटरनेशनल कानून के कथित उल्लंघनों के लिए जवाबदेह ठहराएं। इन उल्लंघन में हिंसा, मानवीय नाकेबंदी और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में बस्तियों का विस्तार शामिल है ये चारों एक्सपर्ट्स संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के विशेष प्रतिवेदक भी हैं।

जजों और वकीलों की स्वतंत्रता पर विशेष प्रतिवेदक मार्गरेट सैटरथवेट ने इंटरनेशनल क्रिमनल कोर्ट को 'अपमानजनक' धमकियों के साथ कमजोर करने के लिए अमेरिकी सरकार की आलोचना की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय न्याय को सभी के लिए समान रूप से लागू करने की जरुरत पर बल दिया।सैटरथवेट ने कहा, यह दोहरे मापदंड को समाप्त करने का समय है।

1967 से कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्र में मानवाधिकारों की स्थिति पर विशेष रैपोर्टेयर फ्रांसेस्का अल्बानीज ने बड़ी संख्या में नागरिकों की मृत्यु और संयुक्त राष्ट्र कर्मियों पर हमलों को इजरायल की ओर से लगातार उल्लंघन का सबूत बताया। उन्होंने कहा कि इसे इंटरनेशनल जवाबदेही की कमी से बढ़ावा मिला।

अल्बानीज ने कहा, इजरायल पर कभी प्रतिबंध नहीं लगाए गए न्यायिक प्रक्रियाओं को या तो नजरअंदाज किया जाता है या उन्हें दरकिनार कर दिया जाता है, व्यापार जारी रहता है और कूटनीतिक संबंध भी बरकरार रहते हैं। सदस्य देश पंगु या अचंभित नजर आते हैं, उनमें से कई अभी भी कब्जे को सामान्य मान रहे हैं।

एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे का पद छोड़ने का एलान ट्रंप ने जताई खुशी, बोले- ये अमेरिका के लिए अच्छा दिन

वॉशिंगटन । एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ने का एलान कर दिया है। रे ने कहा है कि वे जो बाइडन का कार्यकाल खत्म होने के बाद ही जनवरी में एफबीआई निदेशक का पद छोड़ देंगे। क्रिस्टोफर रे का यह एलान डोनाल्ड ट्रंप के उस एलान के एक हफ्ते बाद ही आया है, जिसमें ट्रंप ने कश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था।

तीन साल का कार्यकाल बचा था

बुधवार को एफबीआई मुख्यालय में आयोजित हुई एक बैठक में क्रिस्टोफर ने पद छोड़ने का एलान किया। अभी रे के 10 साल के कार्यकाल में तीन साल का समय और बचा है। हालांकि जब ट्रंप ने कश पटेल को एफबीआई का नया निदेशक बनाने का एलान किया था तो तभी से इस बात की चर्चा थी कि क्रिस्टोफर रे समय से पहले इस्तीफा दे सकते हैं, लेकिन ट्रंप के शपथ लेने से पहले ही इस्तीफे का एलान कर क्रिस्टोफर रे ने चौंकाया है। माना जा रहा है कि नई सरकार के साथ किसी तरह के टकराव से बचने के लिए क्रिस्टोफर रे ने पद छोड़ना ही बेहतर समझा है।

अपने कार्यकाल के दौरान रे ने एफबीआई को राजनीति से दूर रखने की कोशिश की। ट्रंप ने जताई खुशी पद छोड़ने का एलान करते हुए क्रिस्टोफर रे ने कहा कि 'पद छोड़ने का एलान उनके लिए आसान नहीं है। मुझे इस जगह से प्यार है और मुझे अपने काम से भी प्यार है, लेकिन मेरा फोकस हमेशा इस बात पर रहा है कि एफबीआई के लिए क्या सही है।' जब रे ने यह एलान किया तो उस दौरान बैठक में मौजूद कई लोगों की आंखों में आंसू भी देखे गए।

'जॉय बांग्ला' अब नहीं होगा बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा, सुप्रीम कोर्ट की हाईकोर्ट के फैसले पर रोक

ढाका । 'जॉय बांग्ला' अब बांग्लादेश का राष्ट्रीय नारा नहीं होगा। बांग्लादेश सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। बांग्लादेश हाईकोर्ट ने एक आदेश में बांग्लादेश के राष्ट्रपिता बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के लोकप्रिय जॉय बांग्ला को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने हाईकोर्ट के 10 मार्च 2020 के फैसले के खिलाफ दो दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट में अपील याचिका दायर की थी। मामले में मुख्य न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को आदेश पारित किया। आदेश में कहा गया कि राष्ट्रीय नारा सरकार के नीतिगत निर्णय का मामला है और न्यायपालिका इसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकती। सुनवाई में

सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल अनीक आर हक ने कहा कि इस आदेश के बाद जॉय बांग्ला को राष्ट्रीय नारा नहीं माना जाएगा। यह था हाईकोर्ट का फैसला

उच्च न्यायालय ने 10 मार्च 2020 को 'जॉय बांग्ला' को देश का राष्ट्रीय नारा घोषित किया था। कोर्ट ने सरकार को आवश्यक कदम उठाने का आदेश दिया था ताकि नारे का इस्तेमाल सभी राज्य समारोहों और शैक्षणिक संस्थानों की सभाओं में किया जा सके। इसके बाद 20 फरवरी 2022 को हसीना के नेतृत्व वाली कैबिनेट ने इसे राष्ट्रीय नारे के रूप में मान्यता देते हुए एक नोटिस जारी किया और अवामी लीग सरकार ने 2 मार्च 2022 को एक गजट अधिसूचना जारी की।

लगातार पलट रहे फैसले हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने एक दिसंबर को 15 अगस्त को राष्ट्रीय शोक दिवस और सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। इससे पहले 13 अगस्त को अंतरिम सरकार की सलाहकार परिषद ने फैसला लिया था कि 15 अगस्त को कोई राष्ट्रीय अवकाश नहीं होगा। कुछ दिन पहले बांग्लादेश के केंद्रीय बैंक ने करेंसी नोटों से बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की तस्वीर हटाने का फैसला लिया था।

मेक्सिको अपनी संप्रभुता की रक्षा करेगा चाहे अमेरिका किसी को भी राजदूत चुने

मेक्सिको । मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा कि उनका प्रशासन देश की संप्रभुता की रक्षा करेगा, भले ही अमेरिका मेक्सिको में राजदूत के रूप में किसे भी चुने। उनका यह बयान अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा की गई नवीनतम नियुक्ति के बाद आया है।

राष्ट्रपति ने बुधवार को नेशनल पैलेस में अपनी नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, इस राजदूत या किसी अन्य के साथ, हम अपनी संप्रभुता और बराबरी के दर्ज का रक्षा करेंगे।

शिनबाम ने कहा कि उन्हें, विश्वास है कि समझौता होने जा रहा है और उन्हें पता होना चाहिए

कि हम हमेशा मेक्सिको की रक्षा करेंगे और खुद को केवल संयुक्त राज्य अमेरिका की जरूरतों के अधीन किए बिना इसे गौरवान्वित करेंगे।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय एजेंडे के आगे बढ़ने के महत्व को दोहराया, जिसमें अमेरिका से मैक्सिको में हथियारों की तस्करी से निपटना भी शामिल है।

ट्रंप ने मंगलवार शाम को अपने ट्रुथ सोशल नेटवर्क के माध्यम से घोषणा की थी कि मेक्सिको में उनके राजदूत रिटायर्ड कर्नल रोनाल्ड जॉनसन होंगे। वह एक पूर्व सीआईए अधिकारी और सेना के स्पेशल फोर्स अधिकारी हैं। जॉनसन ने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान अल साल्वाडोर में राजदूत के रूप में कार्य किया था।

सूडान के उत्तरी दारफुर में अर्धसैनिक बलों के हमले में 15 लोगों की मौत

खार्तूम। सूडान के उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर के दक्षिण में एक विस्थापन शिविर और एक बाजार पर अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) ने तोपखाने से गोले दागे, जिसमें कम से कम 15 लोगों की

मौत हो गई और 64 अन्य घायल हो गए। उत्तरी दारफुर राज्य के स्वास्थ्य मंत्रालय के महानिदेशक इब्राहिम खातिर ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, अब तक 15 लोग मारे गए हैं और 64 अन्य घायल हुए हैं। वहीं जमजम शिविर और पशुधन बाजार पर आरएसएफ मिलिशिया का हमला अभी भी जारी है।

ऑस्ट्रेलिया के लिए मोटापा धूम्रपान से बड़ी चुनौती

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के लिए मोटापा बड़ी चुनौती बन गया है। यह बीमारियों का सबसे बड़ा कारण बन गया है। सरकारी आंकड़ों ने इसकी पुष्टि की है।

ऑस्ट्रेलियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर (एआईएचडब्ल्यू) ने गुरुवार को 2024 के लिए अपनी वार्षिक ऑस्ट्रेलियन बर्डन ऑफ डिजीज रिपोर्ट जारी की।

सिन्हुआ की रिपोर्ट ने रिपोर्ट के हवाले से कहा कि ऑस्ट्रेलियाई लोग बीमारी की वजह से समय से पहले अपनी जान गंवा रहे हैं।

इसमें यह कहा गया कि, जोखिम कारकों के कारणों को टाला या कम किया जा सकता था।

एआईएचडब्ल्यू ने मोटापे और अधिक वजन को बीमारी का एक बड़ा कारण माना। इस रिपोर्ट के मुताबिक तम्बाकू का उपयोग पहले प्रमुख रिस्क फैक्टर था, लेकिन एआईएचडब्ल्यू ने

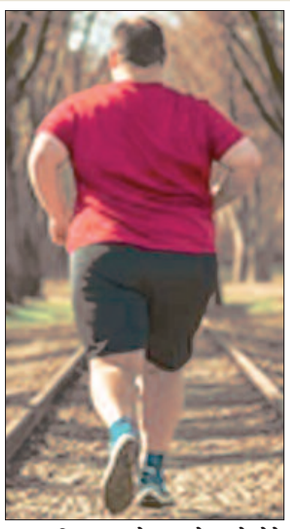

बताया कि 2003 के बाद से इससे होने वाली बीमारी का बोझ 41 प्रतिशत कम हो गया।

एआईएचडब्ल्यू के प्रवक्ता मिशेल ग्रेले ने एक बयान में कहा, यह कमी धूम्रपान करने वालों की संख्या में कमी के कारण हो सकती है।

अध्ययन में कहा गया है कि 2024 में ऑस्ट्रेलिया में कुल रोगों का 8.3 प्रतिशत अधिक वजन के कारण है। 7.6 प्रतिशत तंबाकू के उपयोग से और 4.8 प्रतिशत आहार से जुड़ी समस्याओं के कारण है।

जून में एआईएचडब्ल्यू द्वारा प्रकाशित एक अलग रिपोर्ट में यह पाया गया कि 2022 में 66 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई वयस्क और 26 प्रतिशत बच्चे और किशोर अधिक वजन वाले या मोटे थे।

गुरुवार को जारी रिपोर्ट में पाया गया कि 2024 में बीमारियों का प्रमुख कारण कैंसर बना हुआ है।

रिपोर्ट में युवाओं की बिगड़ती मानसिक स्थिति, खुदकुशी और खुद को नुकसान पहुंचाने की प्रवृत्ति देश में बीमारियों के बढ़ते बोझ का कारण बताई गई।

ब्रिटेन में सड़क हादसे में भारतीय छात्र की मौत चार की हालत गंभीर, सभी आंध्र प्रदेश के रहने वाले

लंदन । पूर्वी इंग्लैंड के लीसेस्टरशायर में सड़क दुर्घटना में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई। हादसे में चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। लीसेस्टरशायर की पुलिस ने बताया कि हादसा मंगलवार सुबह हुआ, जिसमें एक कार के खाई में गिर जाने से उसमें सवार चिरंजीवी पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक महिला, दो पुरुष और चालक घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

लीसेस्टरशायर पुलिस के बयान में कहा गया कि अधिकारी उन सभी लोगों से बात करेंगे और बयान दर्ज करेंगे, जो मंगलवार की सुबह ए6 पर यात्रा कर रहे थे

वाहन एक खाई में जा गिरा

पुलिस ने बताया कि वाहन चालक (27) को खतरनाक तरीके से वाहन चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसे जमानत पर रिहा कर दिया गया है। पुलिस के मुताबिक, चिरंजीवी पंगुलुरी (32), माजदा-3 तमुरा में सवार होकर लीसेस्टर से मार्केट हार्बरो की ओर जा रहे थे, तभी यह वाहन एक खाई में जा गिरा।

बयान में कहा गया कि पंगुलुरी की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन में सवार तीन अन्य यात्री और चालक को अस्पताल ले जाया गया। दो पुरुष यात्री गंभीर रूप से घायल हैं। बताया जा रहा है कि ये सभी लोग आंध्र प्रदेश से हैं।

ट्रंप ने की दो और प्रमुख नियुक्तियां, ड्रयू फर्गुसन को एफटीसी चीफ तो किंबर्ली को ग्रीस का राजदूत चुना

वॉशिंगटन । अमेरिकी नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो और प्रमुख नियुक्तियां की है। ट्रंप ने एंड्रयू फर्गुसन को फेडरल ट्रेड कमिशन (एफटीसी) के अगले प्रमुख के तौर पर नामित किया है। वहीं ग्रीस में अमेरिकी राजदूत के तौर पर किंबर्ली गिलफॉयल को नियुक्त किया है। फर्गुसन लीना खान की जगह लेंगे, जो अरबों डॉलर के कॉरपोरेट अधिग्रहणों को अवरुद्ध करके तथा प्रतिस्पर्धा-विरोधी व्यवहार का आरोप लगाते हुए अमेजन और मेटा पर मुकदमा दायर करके चर्चा का केंद्र बनीं।

ग्रीस में अमेरिका के राजदूत की नियुक्ति

ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच के जरिये किंबर्ली गिलफॉयल को ग्रीस के लिए अमेरिका का राजदूत नामित किया। गिलफॉयल लंबे समय से ट्रंप की समर्थक रही हैं और उनके बेटे

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर से उनकी सगाई हुई थी।

ट्रंप ने टॉम बराक को तुर्किये में राजदूत नियुक्त करने की घोषणा की और उन्हें एक सम्मानित और अनुभवी आवाज कहा। फर्ग्यूसन पहले से ही एफटीसी के पांच आयुक्तों में से एक हैं।

डेविड ओ सैक्स बने थे एआई और क्रिप्टो जार

बीते दिनों डोनाल्ड ट्रंप ने अपने प्रशासन में अहम नियुक्ति की। ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे।

डेविड के नाम का एलान करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि 'डेविड सरकार की एआई और क्रिप्टोकरेंसी पर नीतियों का नेतृत्व करेंगे। ये दोनों क्षेत्र भविष्य में अमेरिकी प्रतिस्पर्धा के लिहाज से बेहद अहम हैं। डेविड ऑनलाइन फ्री स्पीच की रक्षा करेंगे और हमें बड़ी तकनीकी कंपनियों और उनकी सेंसरशिप से दूर रखेंगे।

मस्क के करीबी जेरेड को मिली थी जिम्मेदारी

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पेसएक्स के मालिक व अरबपति कारोबारी एलन मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) प्रमुख चुना था। इसाकमैन पेमेंट कंपनी 'शिफ्ट4 पेमेंट्स' के सीईओ हैं। वह निजी अंतरिक्ष यात्री मिशनों का संचालन करने के लिए स्पेसएक्स वाहनों का उपयोग करने वाले कार्यक्रम का हिस्सा भी हैं

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने सभी अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह की अध्यक्षता में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

बैठक के दौरान आईजीआरएस/ जनसुनवाई-समाधान पोर्टल पर प्राप्त प्रत्यावेदनों के निस्तारण, सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्रों का निस्तारण, शासन/परिषद/आयुक्त मेरठ मंडल के लम्बित सन्दर्भों का निस्तारण, ऑग्ल अभिलेखागार के पत्रावलियों का विनिष्टीकरण, ऑग्ल अभिलेखागार के चरित्र सत्यापन, ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन, राजस्व विवादों की विभिन्न धाराओं के अन्तर्गत प्रचलित वादों का निराकरण, जमींदारी विनाशअ अधिनियम की धाराओं के अन्तर्गत प्रचलित वादों के निस्तारण, भू राजस्व अधिनियक की धाराओं के अन्तर्गत प्रचलित वादों का निस्तारण, ऑनलाइन विरासत-राजस्व संहिता की धारा 33(1) के अन्तर्गत उत्तराधिकारी/विरासत हेतु आवेदनों का निराकरण, अंश निर्धारण प्रगति, रियल टाइम्स खतौनी, ई परिवाना, बैंक बंधक की स्थिति, खसरा रिपोर्ट-खरीफ 1431 फसली, खसरा रिपोर्ट-खरीफ 1432 फसली, आम आदमी बीमा योजना की अद्यतन स्थिति, कृषि गणना द्वितीय चरण प्रगति, कृषक दुर्घटना बीमा योजना की प्रगति की स्थिति, तहसीलवार घरोनी रिपोर्ट, ग्राम सभा भूमि की मत्स्य पालन एवं वृक्षारोपण आवंटन, भूमिसुधार कार्यक्रमों के अर्न्तगत ग्रामसभा की विभिन्न प्रकार की भूमि का आवंटन, भू-माफियाओं तथा अतिक्रमण विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की स्थिति, लम्बित मजिस्ट्रियल जांचों की स्थिति, विभिन्न आयोगों से प्राप्त सम्बन्धित प्रकरणों की स्थिति, जमींदारी विनाशअ एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम के अन्तर्गत राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश के न्यायालयों पत्रावलियों का अधियाचन, भू-राजस्व अधिनियम के अन्तर्गत राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश के न्यायलयों में पत्रावलियों का अधियाचन, आन्तरिक लेखा परीक्षण राजस्व परिषद उत्तर प्रदेश की लम्बित ऑडिट आपत्तियों की स्थिति, महालेखाकार की लम्बित ऑडिट आपत्तियों की स्थिति, राजस्व परिषय की लम्बित ऑडिट आपत्तियों की स्थिति, भू-मानचित्रों का डिजिटलाइजेशन कार्यक्रम को निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार पूर्ण कराये जाने की स्थिति, न्यायिक अभिलेखागार में दाखिल दफ्तर की गयी पत्रावलियों की स्थिति, कर-करेत्तर राजस्व प्राप्तियों की स्थिति, विविध देयों की वसूली, संग्रह जमीनी की वसूली की प्रति, अमीन / प्रति माह वसूली का औसत विवरण पत्र, जनपद के बड़े बकायेदारों के विरुद्ध कार्यवाही की स्थिति, विभिन्न मदों में नजारत अनुभाग की प्राप्त धनराशि की उपयोगिता की स्थिति, रजिस्टर नं.-04 में लम्बित धनराशि के निस्तारण की स्थिति, राजस्व भवनों के निर्माण की प्रगति एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र की स्थिति, राजस्व वादों का निस्तारण चकबन्दी वादों की स्थिति, भू-अर्जन के अन्तर्गत राजस्व परिषद/महालेखाकार ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण की स्थिति, भू-अर्जन एवं सिंचाई सम्बन्धित बिन्दुओं की स्थिति सहित सभी विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई।

सभी अधिकारी अपने कार्यों को समयान्तराल में पूर्ण करें : जिलाधिकारी

करंट क्राइम। जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह ने सभी अधिकारियों को प्रगति रिपोर्ट में बेहतर सुधार हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने-अपने स्तर के कार्यों को दिये गये समयान्तराल में पूर्ण करें। बैठक में एडीएम ई, एडीएम एल/ए, एमडीएम सिटी, एमडीएम एफ/आर, एडीएम जे, एसडीएम मोदीनगर, एसडीएम लोनी सहित अन्य एसडीएम और सम्बंधित सभी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन में जनपद में निपुण एसेसमेंट परीक्षा (एनएटी) शांतिपूर्ण सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जनपद में कक्षा 1 से 3 के बच्चों की निपुण एसेसमेंट परीक्षा (एनएटी) शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। यह परीक्षा जनपद के 389 परिषदय विद्यालय में आयोजित की गयी। इस परीक्षा में बच्चों के हिन्दी एवं गणित के ज्ञान को परखा गया। परीक्षा में नामांकित 28,209 में से 26,198 बच्चों ने प्रतिभाग किया।

सर्वाधिक उपस्थिति ब्लॉक रजापुर (97.5 प्रतिशत) तथा सबसे कम नगर क्षेत्र (89 प्रतिशत) रही। परीक्षा के शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी द्वारा प्रत्येक विकास खण्ड हेतु तीन सदस्यीय दस्ते बनाये गये थे। जिलाधिकारी द्वारा 224 विद्यालयों के निरीक्षण हेतु 45 जनपद स्तरीय अधिकारियों की व्यवस्था लगाई गयी थी। परीक्षा में ओएमआर शीट पर बच्चों द्वारा दिये गये उत्तर भरे गये तथा परख एप के द्वारा स्कैन करके राज्य परियोजना कार्यालय को प्रेषित किया गया।

तकनीकी समस्याओं व अन्य समस्याओं के निवारण हेतु जनपद स्तर पर व ब्लॉक स्तर पर कंट्रोल रूम बनाये गये। जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारी, जिला समन्वयक तथा समस्त एसआरपी, एआरपी परीक्षा के दौरान विद्यालयों के भ्रमण पर रहे।

महापौर सुनीता दयाल ने किया नंदग्राम में विकास कार्यों का शिलान्यास

3 करोड़ 16 लाख की लागत से बनेगा नंदग्राम मुख्य मार्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पार्षद विरेन्द्र त्यागी के वार्ड 49 में मेरठ रोड से भगवान परशुराम मंदिर होते हुए अटल चौक से मदर इंडिया पब्लिक स्कूल के सामने से एफ ब्लॉक तक मुख्य मार्ग की सड़क का शिलान्यास महापौर सुनीता दयाल के कर कमलों द्वारा किया गया जिसकी लागत लगभग 3 करोड़ 16 लाख की है। उक्त सड़क के लिए पार्षद विरेन्द्र त्यागी के द्वारा लगातार प्रयास किया जा रहा था जिसका संज्ञान महापौर ने लिया और नंदग्राम मुख्य मार्ग की सड़क को 15वें वित्त आयोग के फण्ड से पास कराया और आज सड़क निर्माण का शिलान्यास किया गया है।

लाखों लोगों को मिलेगी आवागमन में राहत : महापौर सुनीता दयाल

करंट क्राइम। महापौर ने बताया कि उपरोक्त सड़क से रोजाना लाखों लोगों का आवागमन होता है और सड़क निर्माण होने से उन सभी को राहत मिलेगी। यहां तक कि नंदग्राम क्षेत्र से सुबह-सुबह बहुत बड़ी संख्या में महिलाएं भी रोजगार के लिए शहर की तरफ जाती हैं और रास्ता खराब होने से सभी नंदग्रामवासियों को बहुत परेशानी हो रही थी। अब यह तैयार रास्ता बहुत जल्द जनता को समर्पित होगा और ऐसे ही शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भी जल्द ही विकास के कार्यों के शिलान्यास/लोकार्पण शुरू होंगे। पार्षदों के कोटे के कार्य भी शुरू हो गए हैं, अब सभी वार्डों में विकास होता नजर आएगा जिसकी पूर्ण तैयारी नगर निगम ने कर ली है। शिलान्यास के दौरान पार्षद विरेन्द्र त्यागी, बबली त्यागी,सहायक अभियंता अनूप शर्मा, अवर अभियंता प्रीति बंसल,नवीन गर्ग आदि उपस्थित रहे।

मेरा सहयोग हमेशा व्यापारियों को मिलता रहेगा : संजीव शर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। महानगर उद्योग व्यापार मंडल, गाजियाबाद के अध्यक्ष गोपीचंद के नेतृत्व में गुरुवार को नवनिर्वाचित विधायक संजीव शर्मा का स्वागत किया गया। स्वागत करने वालों में महानगर चेयरमैन ब्रिज मोहन सिंघल,अध्यक्ष गोपीचंद, महामंत्री अशोक चावला, उद्योग मंच के अध्यक्ष आनंद प्रकाश (लोहे वाले), पंकज गुप्ता, हितेंद्र शर्मा, राकेश गुप्ता, पवन शर्मा, अजय चोपड़ा, वसीम अली, मुशीर भाई आदि ने बुके व माला पहना कर स्वागत किया। विधायक संजीव शर्मा ने महानगर अध्यक्ष गोपीचंद से आशीर्वाद प्राप्त किया और उन्होंने कहा कि मेरा सहयोग हमेशा व्यापारियों को मिलता रहेगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव का विरोध

करंट क्राइम, गाजियाबाद। सहकारिता क्रय विक्रय समिति के चेयरमैन तथा भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष वीरेन्द्र सारस्वत ने भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह अविश्वास प्रस्ताव देश को अस्थिर करने की एक साजिश है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ रचा गया एक षडयंत्र है। वीरेन्द्र सारस्वत ने कहा कि देश के प्रबुद्ध नागरिकों को आगे आना चाहिए और भारत के उपराष्ट्रपति के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के राष्ट्र भक्त और लोकतांत्रिक मूल्यों में आस्था रखने वाले हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह ऐसे समय में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड के साथ खड़े हों और जमकर अविश्वास प्रस्ताव का विरोध करें। वीरेन्द्र सारस्वत ने कहा कि वह इस मुहिम को अपने साथियों के साथ मिलकर आगे बढ़ा रहे हैं।

हमारा प्रयास आयुष्मान रहें बुजुर्ग हमारे : पार्षद

पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल ने कैंप लगाकर बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। वार्ड 97 स्थित गुरुद्वारा में गुरुवार को आयुष्मान कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 70 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। कैंप में 86 से अधिक बुजुर्गों ने आयुष्मान कार्ड बनवाए। यह कैंप पार्षद श्रीभगवान अग्रवाल की देखरेख में बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए गए। बुजुर्गों में आयुष्मान कार्ड के प्रति काफी सक्रियता देखने को मिल रही है। कैंप में आयुष्मान कार्ड बनवाने पहुंच रहे बुजुर्गों ने कार्ड बनवाने के लिए अन्य साथियों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कैंप में टीम की ओर से आयुष्मान कार्ड के लाभ बताए गए। साथ ही आयुष्मान नोडल द्वारा किसी भी पंजीकृत अस्पताल में ईलाज ना देने पर विभाग को सूचित करने की अपील की गई। उन्होंने बताया कि यह कैंप दो दिन चलेगा। इस अवसर पर लवली सिंह, रवि आहूजा, सुमित सिंह, संदीप सयाल, सतवीर शर्मा, आदित्य वर्धन ढाका, किरण शर्मा, अखिलेश कुलश्रेष्ठ, दिनेश मलिक आदि लोग मौजूद रहे।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।

दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। बेटियां हमेशा से अपने पिता का स्वाभिमान होती हैं। एक पिता का सिर गर्व से तब ऊंचा होता है जब उनकी बेटियां अपने पिता की दिखाई राह पर चलती हैं और संस्कारों से नाम रोशन करती हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष सतपाल प्रधान ने अपनी लाडली बिटिया के सिर पर हाथ रखा। रिंकी बिटिया को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए ढेरों आशीर्वाद दिए। एक पिता की खुशी एक पिता का अपनी बिटिया के हैप्पी बर्थडे पर ये स्नेह ये प्यार ये आशीर्वाद शुभाशीष का संदेश देती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

उठते सवालों का करंट

- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ की डबल-ए वाली बैट्री महानगर अध्यक्ष के लिए लगातार कर रही है गोयल साहब को चार्ज? मगर गोयल साहब नहीं कर रहे हैं इन दोनों की चार्जिंग कबूल? ये दोनों उनको मिलकर समझा रहे हैं कि इस बार अगर अध्यक्ष वाला मामला हमारे हाथ नहीं लगा, तो कमल की जगह हम बन जायेंगे दूसरे वाले फूल? इतना कुछ समझाने के बावजूद भी गोयल साहब नहीं हो रहे हैं चार्ज? लगता है डबल-ए की पॉवर हो जायेगी इस बार भी डिस्चार्ज?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भले ही डबल-ए की पॉवर को नहीं कर रहे हों भगवा गोयल स्वीकार? मगर हमें पता चला है कि इन्होंने अंदरखाने किया हुआ है प्लान-बी तैयार? अगर सामान्य फैक्टर पर बात नहीं बनती है तो आरक्षित फैक्टर पर भी कर रहे हैं ये काम? सुना है अपनी सिफारिशों में ये पूरी सुशीलता से ले रहे हैं गौतम जी का नाम? कहने वाले ने कहा वैसे भी गौतम जी का संगठन वाला है पुराना इतिहास? देखना अब ये है इनके लिए क्या गुल खिलायेंगे डबल-ए की बैट्री वालों के प्रयास?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ में एक छोटा पैकेट करता है बड़ा धमाका? ये युवा चेहरा लाता है हमेशा अंदर की बात? हमें पता चला है कि अगर गोयल साहब की हो गई प्रेसीडेंट वाले पद पर ताजपोशी? तो फिर छोटे पैकेट से होगा बड़ा ब्लास्ट? सुना है गोयल साहब इस चेहरे को देते हैं बहुत ज्यादा भाव? पता चला है जब चल रही थी नगर निगम में दावेदारों के नाम पर चर्चा? तब कोर के बोर में गोयल साहब ने दिलाया था इस चेहरे को भाव? पैनल में गया था मजबूती से युवा चेहरे का नाम? आप समझ जाओ कि अगर हो गई गोयल साहब की एन्ट्री? तो ये चेहरा नामित बन कर मिटा देगा कईयों का नामो-निशान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि गांधी जी वाले एरिया में हिमांशु भैया का दया में आनंद देने वाले बंसल को मिल रहा है पूरा लव? वो चाहते हैं कि भगवा कमिश्नर वाली ताजपोशी में इस चेहरे का नाम चढ़े परवान? मगर सुना है उनके इन प्रयासों में मौहल्ले के मिस्टर गर्ग डाल रहे है व्यवधान? वो कमिश्नरी के गगन पर दिलाना चाहते हैं अपने प्रिय शर्मा को स्थान? देखना अब ये है कि भगवा कमिश्नरी की इस जंग को इन दोनों में कौन जीतता है श्रीमान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि वहीं गांधी जी वाली कमिश्नरी से एक चेहरा और कर रहा है इस बार भगवा कमिश्नर बनने के प्रयास? सुना है उन्होंने अपने मन का आवेदन पहुंचा दिया है कई चेहरों के पास? चुनावों में सुबह का भूला शाम को घर आया, वाली तर्ज पर इन्होंने ली है भगवागढ़ में एन्ट्री? उनकी इस एन्ट्री ने किया हुआ है कई विरोधी चेहरों को परेशान? कहने वाले कह रहे हैं दोबारा एन्ट्री लेकर अब वो फिर से फ्रेश भगवा हुए हैं? फ्रेश चेहरे को नहीं मांगना चाहिए मंडल वाला काम? देखना अब ये है डब्लू भैया क्या निकालेंगे इन व्यवधानों का समाधान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि ताकतवर लेडी जनप्रतिनिधि के कार्यों को देखने वाले व्यक्ति के भाई का इस वक्त संगठन में चल रहा है काम? सुना है भगवा कमांडर ने इनको सिस्टम में लाकर दी है मजबूत पहचान? कहने वाले ने कहा फिर हमें समझ क्यों नहीं आ रहा कि ये ट्रैक से हटकर क्यों कर रहे हैं हैवीवेट गुणगान? उनकी इन बदली-बदली अदाओं ने कमांडर के खासों को किया हुआ है हैरान? कहने वाले ने कहा इस बात पर ज्यादा हैरान मत हो आप? वो हर वक्त उस व्यक्ति का झंडा बुलंद करते हैं जिससे बिरादरी की कनैक्टिविटी होती है साहब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि ब्लैक कोट वाली सरकारी लिस्ट हो गई है होल्ड? सुना है इस लिस्ट को फाईनल कराने वालो का मामला पार्टी आला कमान ने कर दिया है बोल्ड? कहने वाले ने कहा लिस्ट को लेकर भेजने वालो ने भेजा था ऊपर असंतुष्टता का संदेश? कराया था एहसास कि लिस्ट में कहीं ना कहीं अधूरे रह गये हैं कार्यकर्ताओं फेस?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि कब होगी भगवा पहलवान की राजनीति में वापसी? हम कर रहे हैं इस बात का बेसब्री से इंतजार? सुना है तबियत खराब होने की वजह से फोन स्वीच ऑफ करके रखा है? जिससे प्रभावित हो रहा है उनके समर्थकों का संचार? कहने वाले ने कहा कि उनसे बात नहीं होने पर हो रहे हैं कई चेहरे परेशान? उन्हें लग रहा है कि अगर इस मौके पर पहलवान जी का सपोर्ट नहीं मिला? ना तो मंडल में ना संगठन में आयेगा हमारा नाम? सब कर रहे हैं उनका फोन ऑन होने का इंतजार? सब दुआ कर रहे हैं ठीक होकर जल्दी से लौटे पहलवान, बहुत अच्छा हो उनका उपचार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार में पूर्व पार्षद पति एक मंडल से कर रहे हैं अध्यक्ष बनने का प्रयास? मगर हमें पता चला है उनके प्रयासों को नहीं होने देना चाहते हैं चौधरी और शर्मा किसी भी सूरत में पास? हमें पता चला है वो इनको रोकने के लिए लगा रहे हैं पूरा जोर? कह रहे हैं हम इनकी जगह कर लेंगे मौजूदा वाले को स्वीकार? मगर मंडल की नहीं जानी चाहिए इनके हाथ में डोर?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवा पहलवान प्लान-ए के साथ-साथ प्लान-बी पर भी करते हैं काम? ऐसा करके वो अपना दम-खम बनाये रखते हैं श्रीमान? आप देखेंगे कि वो पूरी प्रवीणता से भाटी जी को रखते हैं साथ? मगर इसी एरिया में वो युवा भड़ाना को भी बराबर देते है आशीर्वाद? जनकपुरी में वो राम जी के मन में निवास करने वाले अपने साथी का देते हैं ध्यान? मगर यहां पर मिस्टर भड़ाना को भी दी हुई है उन्होंने मजबूत पहचान? इसलिए ही तो उन्हें पुकारा जाता है भगवागढ़ की राजनीति का पहलवान?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।